

TAARIKA 2023-24



GOVERNMENT COLLEGE BHORANJ (TARKWARI)

Hamirpur (H.P)



PH. : 01972-287505, 287287
Visit us at : www.gcbhoranj.in





TAARIKA

2023-24

Govt. College
Bhoranj (Tarkwari)



INDEX

- ✓ Hindi Section
- ✓ English Section
- ✓ Science Section
- ✓ Sanskrit Section
- ✓ Commerce Section
- ✓ Pahari Section
- ✓ Computer Section



Honourable Chief Minister Himachal Pradesh



Sukhwinder Singh Sukhu

Message

It gives me immense pleasure to know that Government College, Bhoranj, District Hamirpur is bringing out an annual issue of College Magazine 'Taarika' for the session 2023-24.

College magazine offer a great opportunity for students to express their ideas and views on various topics and aspects of life. It is also an apt platform to nurture the creativity and talent of students, while showcasing the academic, cultural and other achievements of the institution.

I hope that more and more students will come forward to contribute for the magazine and exhibit their abilities.

I send my best wishes for the successful publication of college magazine 'Taarika'.

(Sukhvinder Singh Sukhu)



Honourable Education Minister of Himachal Pradesh



Rohit Thakur

Message

It gives me immense pleasure to know that Government College, Bhoranj of District Hamirpur is bringing out an annual issue of a souvenir. It will play an important role in inculcating the importance of education among the students and participants. These kinds of initiatives are notable ventures and render a platform for students to gather more knowledge and share their views. The Government here in the state is also working with a mission to initiate the catalytic impulse in children and to provide them a platform that would lead them into the path of self-discovery and participate in activities conducted for the protection of the environment.

I hope the articles and write-ups published in the souvenir will reveal the wisdom, enthusiasm and knowledge of the students to the fullest.

I also congratulate the traditional team for their hard work and dedication in bringing forth this edition of the College Magazine.

A handwritten signature in black ink, appearing to read 'Rohit Thakur'.

(Rohit Thakur)



**Honourable Director
Of Education
Himachal Pradesh**



Dr. Amarjeet K. sharma


Message

It is matter of immense delight for me to know that your college is going to publish the college magazine.

College magazine is a very useful medium for young minds to express their bristling ideas and thoughts. It gives a chance to students, the budding writers, to get the attention of others through their creative and contemporary writings. It is an essential ingredient of college regular activities and documentation of such events. The true purpose of Higher Education is to open the horizons for the curious young minds and to refine and polish them in such a way that they become responsible citizens of our country.

I wish your college a great future and grand success to the college magazine. I also congratulate the Editor(S) of the magazine and wish everyone all the best in their ventures.

Jai Hind


Dr. Amarjeet K. Sharma

From the Principal Desk



Greetings to All

It is my pride and privilege to introduce yet another edition of our college magazine 'TAARIKA' to you all along with a deep sense of appreciation and gratitude towards the staff and student editors and all the students who have contributed towards this magazine. It captures the spirit of our young students who wholeheartedly dedicate themselves to their passions. Our college's vision and mission revolve around creating a holistic environment for our students, and nurturing their growth in academics and extracurricular activities alike. The college magazine serves as a vital platform, enabling students to express themselves creatively and voice their opinions freely. These words resonate deeply as they highlight the power of creativity. In the pages of 'TAARIKA' you will witness the magic of imagination transformed into words, art, and ideas. These young minds are the architects of our future, the dreamers who dare to envision a world beyond the ordinary. They are the changemakers, the innovators, and the leaders of tomorrow.

I extend my heartfelt congratulations to the magazine committee, Convenor and all the dedicated team members for their remarkable efforts in bringing this issue to life. I look forward to greater creative engagement in the years to come.

Wishing you all a year filled with boundless creativity, unwavering passion, and the courage to motivate and inspire young minds.

Dr. Vijay Thakur
Principal
GC Bhoranj

TEACHING STAFF



**NON
TEACHING STAFF**



**STAF EDITOR &
STUDENT EDITOR**





प्राध्यापक सम्पादक
प्रो. विनय कुमार



तारिका हिंदी अनुभाग



छात्रा सम्पादिका
कविता शर्मा

विषय सूची

क्र० सं०	विषय	लेखक/लेखिका	रोल नं०
1	अनमोल वचन	कविता शर्मा	22GEO1
2	मन के हारे हार है , मन के जीते जीत	ललिता ठाकुर	20ZOO11
3	हिंदी का महत्व	उमेश	21COM70
4	नज़रिया	शगुन	22COM12
5	शेखचिली के खाब या कलाम के सपने	नविता कुमारी	22COM17
6	सफलता के लिए संघर्ष	पायल कुमारी	22COM02
7	माँ	मुस्कान चंदेल	22SOC02
8	बचपन	पूनम	22PS30
9	सपनों में रख आस्था	मिनाक्षी शर्मा	22PED09
10	कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।	रितिका धीमान	22SOC06
11	शिक्षा	दिव्या	22PS23
12	कर्म	शिया शर्मा	22PS01
13	कोशिश कर	कृतिका	22PS17
14	अनमोल वचन	अनुराधा	22GEO2
15	संघर्ष	मनीषा कुमारी	22S0C10
16	विश्वास करो कर्म में	पलक ठाकुर	22PAD01
17	असहजता की समझदारी	कोमल शर्मा	21PS21
18	जिंदगी	गौरी अग्निहोत्री	21PS32
19	शिक्षा का महत्व	रिधिमा शर्मा	21HIN01
20	समझौता	साक्षी पटियाल	22ENG04
21	सच्चा मेल	रजत ठाकुर	22COM13

छात्रा संपादिका

यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे राजकीय महाविद्यालय भोरंज की वार्षिक पत्रिका तारिका के हिंदी अनुभागिकी की छात्रा संपादिका बनने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। आजकल पत्रकारिता का युग है और इस पत्रकारिता के युग में तारिका पत्रिका द्वारा विद्यार्थियों को लिखने और अपने विचारों को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय की यह पत्रिका छात्र छात्राओं की लेखन प्रतिभा और उनके विचारों को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है। यह पत्रिका छात्रों के सृजनशील व्यक्तित्व को उजागर करने का माध्यम है। इसमें अनेक छात्र छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किये हैं और मुझे आशा है कि ये सभी रचनाएँ आपके मन में एक नई उमंग भरेगी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

- अनेक शुभकामनाओं सहित।

नाम – कविता शर्मा
कक्षा - बी. ए. द्वितीयवर्ष
अनुक्रमांक- 22 GEO 01

अनमोल वचन

1. ख्वाहिशों के रंग मैं तेरे सपनों की आग है
मेहनत कर डटकर क्योंकि उसमें तेरी इज्जत का ताज है।
2. सफलता भी उन्हीं को मिलती है जो दूसरों में नहीं ,
अपने अंदर कमियां ढूंढने की हिम्मत रखते हैं।
3. गिरते गिरते ही बच्चा चलने लगता है ,
डूबते डूबते ही मानव तैरने लगता है ,
चोट से घवरा के पीछे मत हटो ,
ठोकर खाकर ही ब्यक्ति संभलने लगता है।

काश जिंदगी एक किताब होती

काश, जिंदगी एक किताब होती
पढ़ सकती मैं की आगे क्या होगा?
क्या पाऊँगी मैं और क्या दिल खोएगा ?
कब थोड़ी खुशी मिलेगी , कब दिल रोयेगा
काश जिंदगी सचमुच किताब होती ,
फाड़ सकती मैं उन लम्हों को
जिन्होंने मुझे रुलाया है
जोड़ती कुछ पन्ने जिनकी यादों ने मुझे हंसाया है
खोया और कितना पाया है ?
हिसाब तो लगा पाती कितना
काश जिंदगी सचमुच किताब होती
वक्त से आंखें चुराकर पीछे चली जाती

टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाती
कुछ पल के लिए मैं भी मुस्कराती
काश, जिंदगी सचमुच किताब होती।

नाम - कविता शर्मा
कक्षा - - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22GE01

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

संकल्पशक्ति इतनी शक्तिशाली एवं प्रभावपूर्ण होती है कि सामने वाला अपने सभी अस्त्र-शस्त्र लिए हुए भी निरुत्तर रह जाता है। यह कोई बाह्य शक्ति नहीं, बल्कि मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मनुष्य की इस आंतरिक शक्ति से मानव समाज तो क्या, स्वयं देव समाज भी घबराता है। मन की इसी आंतरिक शक्ति के बल पर मानव ने इस विविधतापूर्ण एवं शक्तिशाली प्रकृति को अपने नियंत्रण में किया है। मन की शक्ति के बल पर मनुष्य ने आकाश की ऊंचाई एवं पाताल की गहराई मापी है। प्रकृति से संघर्ष करते हुए उसने अपने लिए उन सभी सुविधाओं को जुटाया है, जो उसकी कल्पनाशक्ति में साकार हो सके।

जीवन एक अनवरत संघर्ष का नाम है। समय के साथ-साथ आगे बढ़ते रहने की प्रबल मानवीय लालसा ही जीवन है और यही जीवन उपलब्धि एवं सीमा नामक दो बिंदुओं को आपस में संयुक्त करना है। जीवन की निर्बाध गति के मार्ग में समस्या रूपी अनेक अवरोध भी उत्पन्न होते हैं, जो जीवन रूपी मार्ग को और सुदृढ़ बनाते हैं एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। जीवन कर्म का पथ है एवं लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु लम्बी साधना की आवश्यकता होती है। ऐसे में मानव मन कई बार परिस्थितियों के साथ स्वयं को मज़बूर सा पता है। वह टूटने-बिखरने लगता है। समस्याओं से टकराकर

इतना थक जाता है की कई बार निराशा की अंधकारमय गहरी खाई में खोने का भय पैदा हो जाता है , लेकिन इन्ही परिस्थितियों में उसे स्वयं को , स्वयं से ही सम्बल लेने की आवश्यकता पड़ती है। जीवन में व्याप्त संघर्ष से कोई भी व्यक्ति बच नहीं सकता। संघर्ष से मुक्ति पाने का मार्ग पलायन नहीं हो सकता है। संघर्ष की प्रक्रिया में व्यक्ति का सही दिशा में किया जाने वाला कर्म ही सार्थक प्रयास है। यही समस्याओं से छुटकारा पाने का एकमात्र मार्ग है।

मौलाना आज़ाद ने लिखा है - मोर को चमन की जुशतजू नहीं होती। वह जंहा भी अपने पंख को खोल देता है , एक चमनिस्तान खिल उठता है। अतः हमें अपने मन को कभी मरने नहीं देना चाहिए।

नाम - ललिता ठाकुर
कक्षा - BSC तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-20ZOO11

हिंदी का महत्व

भारत में आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में हिंदी का अत्यधिक महत्व है। यह पूरे देश में विविध समुदायों को एकजुट करते हुए एक संस्कृत पुल के रूप में कार्य करती है। वैश्विक स्तर पर ५०० मिलियन से अधिक वक्ताओं के साथ यह भारत की भाषाओं और संस्कृतिओं की समृद्ध टेपेस्ट्री के भीतर संचार , समझ और एकता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण उपकरण है।

हिंदी भारतीय विरासत में गहराई से निहित है , जो परम्पराओं , साहित्य और इतिहास को दर्शाती है। यह प्राचीन ग्रंथों को सुरक्षित करने और समकालीन साहित्य , संगीत और संगीत को बढ़ावा देने के माध्यम के रूप में कार्य करता है। व्यवसाय , प्रशासन और शिक्षा में इसका व्यापक उपयोग ऐसे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक आर्थिक विकास के लिए अपरिहार्य बनाता है।

हिंदी भाषा समावेशिता और राष्ट्रीय पहचान की भावना को बढ़ावा देते हुए भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिंदी को अपनाने से व्यक्तियों को भारत के भीतर और वैश्विक मंच पर विविध अबसरों तक पहुँचाने का अधिकार मिलता है।

नाम - उमेश
कक्षा - BCOM द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-21COM70

नज़रिया

नज़रिया बदल के देखिये , नज़ारा बदल जायेगा।
सुनहरी आंखें बनाइये , सब कुछ सुनहरा नज़र आएगा।
सोच ऊँची बनाइये , हर सपना साकार हो जाएगा।
अरे ! जरा खुद को बदल कर देखिये ये सारा जमाना बदल जाएगा।
कर्म सुन्दर कीजिये , जीवन सफल हो जाएगा।
मधुर बोल बोलिये , दुआओं से दामन भर जाएगा।
व्यवहार अच्छा बनाइये , हर कोई सज़्जन बन जाएगा।
जरा खुद को बदल कर देखिये , सारा जमाना बदल जाएगा।
सुनहरी आंखें बनाइये , सब कुछ सुनहरा नज़र आएगा।
सवयं को आजमा कर देखिये , आपको खुद पर भरोसा आ जायगा।
खुद को समय दीजिये , समय भी आप पर मेहरबान हो जायगा।
खुद को पहचानिये , सब कुछ सवयं ठीक हो जायगा।
अरे ! जरा खुद को बदल कर देखिये , ये सारा जमाना बदल जायगा।
नज़रिया बदल के देखिये , नज़ारा बदल जायगा।
सुनहरी आंखें बनाइये , सब कुछ सुनहरा नज़र आएगा।

नाम - शगुन
कक्षा - BCom द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22Com12

शेखचिली के खाब या कलाम के सपने

मैं भी सपने देखती हूँ
लेकिन यह तय नहीं कर पाती हूँ
कि यह सपने साक्षात्कार कर पाऊँगी की नहीं
क्या यह महज़ शेखचिली के खाब हैं?
कतय नहीं ! मैं अपने सपनों को जीना चाहती हूँ
जितनी भी मुश्किलों का सामना क्यों ना करना पड़े
यह तय है कि खुली आँखों से देखा गया मेरा सपना जरूर पूरा करूँगी।
कई खाब ऐसे होते हैं , जो मृगतृष्णा जैसे दूर से नज़र आते हैं , लेकिन नज़दीक आने पर
असफल।
मेरा सपना कलाम जी समान

जो मुझे सोते नहीं , बल्कि सोने नहीं देता है।
वो दिन दूर नहीं जब मैं उन ऊंचाइयों के तले
विखराऊँ अपनी काबिलियत का फरमाना
ठुकराना नामुमकिन हो जाये जिसे जमाना
असफलता को नज़रअंदाज़ करूँ सबका सामना।

नाम - नविता कुमारी
कक्षा - BCom द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22Com17

सफलता के लिए संघर्ष

आधुनिक समय में मनुष्य अपने जीवन में सफलता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।
अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर तरह के प्रयास कर रहे हैं।
जिंदगी में तीन तरह के लोग होते हैं- एक जो अपने जीवन में कुछ नहीं करना चाहते हैं। दूसरा जो
कुछ तो करना चाहते हैं पर अपने लिए ही करते हैं। तीसरा जो अपनी जिंदगी में सफलता प्राप्त
करने के लिए जी जान से मेहनत करते हैं और दूसरों के हित के बारे में भी सोचते हैं।
किसी ने कहा भी है कि -

**"कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
लहरों से डरकर नौका कभी पार नहीं होती। "**

सफलता रास्ते में पड़ी हुए चीज़ नहीं है जिसे जब चाहा उठा लिया और जब चाहा फेंक दिया ,
और न ही यह बाज़ार में बिकने वाली वस्तु है। सफलता उस मंज़िल का नाम है जहाँ तक
पहुँचने के लिए अनेक मुसीबतें झेलनी पड़ती हैं।

हर इंसान की सफलता के पीछे उसके आस-पास के वातावरण का हाथ होता है।
जैसे माँ- बाप , सही ज्ञान , ठीक रहन - सहन इत्यादि।

**"रोने से तकदीर नहीं बदलती,
वक्त से पहले रात नहीं ढलती।
दूसरों की कामयाबी लगती है आसान ,
मगर कामयाबी रास्ते में पड़ी नहीं मिलती । "**

नाम - पायल कुमारी
कक्षा - BCom द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22Com02

माँ

माँ संवेदना है , भावना है, अहसास है
माँ जीवन के फूलों में , खुशबू का वास है
माँ रोते हुए बच्चे का , खुशनुमा पालना है
माँ मरुस्थल में नदी या मीठा सा झरना है
माँ लोरी है , गीत है , प्यारी सी थाप है
माँ पूजा की थाली है , मंत्रों का जाप है
माँ आँखों का सिसकता हुआ किनारा है
माँ झुलसते दिनों में , कोयल की बोली है
माँ मेहँदी है , कुमकुम है , सिंदूर है
माँ त्याग है , तपस्या है , सेवा है
माँ परमात्मा की सवयं एक गवाही है
माँ जिंदगी के मोहल्ले में , आत्मा का भवन है
माँ काशी है और चारों धाम है
माँ चूल्हा , धुँआ , रोटी और हाथों का छाला है
माँ जीवन की कड़वाहट में अमृत का प्याला है
माँ का महत्व दुनिया में कम हो नहीं सकता
माँ जैसा दुनिया में कुछ हो नहीं सकता।

नाम - मुस्कान चंदेल
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22SOC02

बचपन

कुदरत ने जो दिया मुझे ,
है अनमोल खज़ाना।
कितना सुगम सलोना वो
ये मुश्किल कह पाना।

दमक रहा ऐसे मानो ,
सोने सा बचपना फिर।

फिक्र नहीं कल की
न किसी से सिकवा गिला।।
मित्रों की जब टोली निकले ,
क्या खाये , बिन खाये।
बड़े चाव से ऐसे चलते
मानो जंग जीत कर आये ।।
कोमल हाथों से बलखाकर ,
जब करते आतिशबाज़ी।
घुंगरू बांधे हुए पैर पर
तब चलती खुशियों की आंधी ।।
उन्हें देख माँ की ममता का ,
उमड़ रहा सैलाब।
मन मंदिर महका रहा
बगिया का खिला गुलाब।।

नाम - पूनम
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22PS30

सपनो मैं रख आस्था

सपनो मैं रख आस्था कर्म तू किए जा
त्याग से न डर आलस परित्याग किये जा।
गलती कर न घबरा ,
गिरकर फिर हो जा खड़ा।
समस्याओं को रास्तों से निकल दे ,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।
रख हिम्मत तुफानो से टकराने की
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की
जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म मगर साथ मैं खुदा की इबादत भी कर।

फिर देख किस्मत क्या रंग दिखलाएगी
तुझको तेरी मंज़िल मिल जायगी , मंज़िल मिल जायगी ।

नाम - मिनाक्षी शर्मा
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-22PED09

कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा

" बड़ा कदम मंज़िल नहीं तो तजुर्बा मिलेगा। "
कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।
नहीं जाती मेहनत बेकार कोशिश करने वाले की।
मिल ही जाती है मंज़िल होंसले रखने वालों की। "
कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।
"पथ पर चलना सीखेगा, पथ पर चलने से पथ का अनुभव होगा,
मंज़िल ही ना सही सफर का मज़ा होगा।"
" अर्जुन के तीर सा साध,
मरुस्थल से भी जल निकलेगा ,
मेहनत कर , पौधों को पानी दे ,
बंजर ज़मीन से भी फल निकलेगा। "
कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।
"कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की,
जो है आज अंधेरा कल उजाला भी होगा। "
कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।
" हार कर क्यों बैठा है तू, हारनातेरी फितरत मैं नहीं।
जिन्दा रख होंसला तू, होंसलों से कुछ मिलेगा। "
कोशिश कर कुछ मिलेगा ,आज नहीं तो कल मिलेगा।

नाम - रितिका धीमान
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22SOC06

शिक्षा

शिक्षा जीवन का आधार , शिक्षा से ही बनता आकार ।

शिक्षा सम्मान दिलाती है
शिक्षा अवगुण दूर कराती है।
शिक्षा कर्तव्य पालन सिखाती है ,
शिक्षा अधिकारों से अवगत कराती है।
शिक्षा अनपढ़ को साक्षर बनाती ,
शिक्षा भविष्य निर्माण कराती ।
शिक्षा जैसा नहीं कोई ओर ,
आओ चले विद्यालय की ओर।
जन -जन शिक्षा को फैलाये ,
आओ एक साक्षर राष्ट्र बनाये।

नाम - दिव्या
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22PS23

कर्म

क्या पता सम्भावना हो , क्या पता संयोग हो
क्या पता दुर्घटना हो , क्या पता दुर्योग हो
चल सम्मुख या चल विमुख , चाहे तिरछी चाल हो
चाल चलना रह न जाये , यह न तुझसे भूल हो
क्या पता सौभाग्य हो , क्या पता दुर्भाग्य हो
क्या पता अनुकूल हो , क्या पता प्रतिकूल हो
कर उचित या कर कुचित , चाहे छोटा कर्म हो
कर्म करना रह न जाये , यह न तुझसे भूल हो।

नाम - शिया शर्मा
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22PS01

कोशिश कर

कोशिश कर हल निकलेगा ।
आज नहीं तो कल निकलेगा।
अर्जुन के तीर सा सध ,
मरुस्थल मैं भी जल निकलेगा।
मेहनत कर , पौधों को पानी दे ,
बंजर जमीन से भी जल निकलेगा।
ताकत जुटा , हिम्मत आग दे ,
फौलाद का भी बल निकलेगा।
जिन्दा रख दिल मैं उमीदों को ,
गरल से समुन्द्र मैं भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश जारी रख , कुछ कर गुजर जाने की ,
जो आज है थमा सा , कल चल निकलेगा।
कोशिश कर हल निकलेगा।
आज नहीं तो कल निकलेगा।

नाम - कृतिका
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22PS17

अनमोल वचन

- मंज़िल मिले या न मिले ये तो मुकदर की बात है,
पर हम कोशिश ही न करें ये तो गलत बात है।
- हारना तब आवश्यक हो जाता है जब लड़ाई अपनों से हो,
जितना तब आवश्यक हो जाता है जब लड़ाई अपने आप से हो।
- गिरना भी अच्छा है दोस्तों ,औकात का पता चलता है ,
बढ़ते हैं हाथ जब उठने को, तो अपनों का पता चलता है।
-

- सीख रहा हूँ अब मैं भी इंसानों को पढ़ने का हुनर ,
सुना है चेहरों पर किताबों से ज्यादा लिखा होता है।
- रब ने नवाज़ा हमें जिंदगी देकर और हम सोहरत मांगते रह गए,
जिंदगी गुज़ार दी सोहरत के पीछे ओर फिर जीने की मोहलत मांगते रह गए।
- ये समुन्द्र भी तेरी तरह खुदगर्ज़ निकला
जिन्दा थे तो तैरने न दिया और मर गए तो डूबने न दिया।
- क्या कहूँ इस दुनिया के बारे में , सबके अपने अफ़साने हैं
जो सामने है उसको बुरा कहते हैं, जिसको कभी देखा नहीं उसको सब खुदा कहते हैं।

नाम - अनुराधा
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22GE02

संघर्ष

वो आकाश क्या जिसमे तारे ना हो
वो सागर क्या जिसमे गहराई ना हो ।
वो पथ क्या जो पथरीले ना हो
वो जीवन क्या जिसमे संघर्ष ना हो।
वो सूर्य क्या जिसमे तपन ना हो
वो चाँद क्या जिसमे शीतलता ना हो।
वो बरसात क्या जिसमे बिजली ना हो
वो जीवन क्या जिसमे प्रकाश ना हो।
वो बाग़ क्या जिसमे हरियाली ना हो
वो डाली क्या जिसमे कांटे ना हो।
वो तथ्य क्या जिसमे तर्क ना हो
वो वस्तु क्या जो संभव ना हो।
वो कहानी क्या जिसका अंत ना हो

वो पतन क्या जो आज़ाद ना हो।
वो कर्म क्या जिसमे लगन ना हो
वो जन्म क्या जिसका कोई लक्ष्य ना हो।

नाम - मनीषा कुमारी
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22S0C10

विश्वास करो कर्म में

मैं निर्धनता हूँ ,
तुम मुझे मिटाना चाहते हो ,
या कुछ करके दिखाना चाहते हो ,
पर मुझे प्रिये हो
मैं तुम्हे प्रेम करती हूँ।
इसलिए फटे पुराने कपडे पहनते हो ,
फैलाकर हाथ बाबूजी -बाबूजी करते हो,
मैं तुम्हारा नसीब हूँ ,
इसलिए तुम्हारे करीब हूँ ।
लेकिन तुम चाहो तो कीचड़ मैं कमल खिला सकते हो।
धरती आकाश मिला सकते हो।
मुझको समझो श्रम को अपनाओ ,
मैं तुम्हारी पाठशाला हूँ ,
पढ़कर विश्वास करो कर्म मैं ,
जागो , उठो ज़माने को हिला दो,
इस दुनिया से अज्ञान के साथ मुझे भी मिटा दो।
देखो विश्वास बुला रहा है ,
उगता सूरज तुम्हे राह दिखा रहा है।

नाम - पलक ठाकुर
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22PAD01

असहजता की समझदारी

प्रतिपल बढ़ती समझ कहीं मे , नासमझी से खो गया था,
शायद इसी समझदारी मे , मन कहीं व्यथित हो गया था।
बढ़ आगे मिलाकर भावो को , न मैंने भी तब दिखलाया था।
शायद समझ के इस जहान में , कहीं नासमझ सा खो गया था।
एक पल दुनिया की भीड़ में , बच्चे संग उसकी रक्षक देखी।
पर साथ हे निकलते अश्रुओं से , मेरा मन विचलित सा हो गया।
उसे रोता देख कर कारण पूछें , मन मे भाव भी जगा था।
पर इन क़दमों पर अदृश्य बडियों , जैसे असर सा हो गया।
ये जो दुनियादारी मे समझ की , बुनयादी की दीवारें थी ना।
कहीं इन्ही की नींव के नीचे , सादा वो भाव सा सो गया था।
मन तो था पूछें आगे बढ़कर , क्या हुआ गिरे क्यों अश्रु हैं।
फिर भी असहजता संग , में क्यों अग्रिम सा हो गया था।
बढ़ते अश्रुओं से अधीर हुआ मन , व्यथित रहा है काफी पल।
बढ़े पग से चित्र कुछ और होता , न होता जैसा हो गया था।
क्यों अपनी सहजता सरलता से , कर दिया था मैंने धोखा कहीं।
अगर होता आगे मन उस क्षण, तो लगता धीर सा हो गया था।

नाम - कोमल शर्मा
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 21PS21

जिंदगी

मैंने जिंदगी को ट्रैफिक में रेंगते देखा है ,
कुछ पैसे कई लिए भीख मांगते देखा है।
मैंने जिंदगी को रास्तों मे सोते देखा है ,
भूख की वजह से रोते देखा है।
मैंने जिंदगी की धुप में नंगे पैर दौड़ते देखा है ,
एक टुकड़ा रोटी के लिए झकड़ते देखा है।
मैंने जिंदगी को माँ की गोद मे हँसते देखा है ,

कभी गोद के लिए तरसते देखा है।
मैंने भीड़ में भी जिंदगी को तनहा पाया है ,
खुद अपने हाथों से जिंदगी का जनाजा उठाया है।

नाम - गौरी अग्रिहोत्री
कक्षा - बी ए तृतीया वर्ष
अनुक्रमांक- 21PS32

शिक्षा का महत्व

शिक्षित होकर ही होता है हर पहलू का निर्माण।
शिक्षित होकर ही बनता , भविष्य हर इंसान का।
शिक्षित होकर ही कर पता, सही गलत का फैसला।
शिक्षित होकर ही होता , बोध कर्तव्य अधिकार का।
शिक्षित होने से मिट जाता , अज्ञानता का अंधकार।
शिक्षित होने से जीवन, जीना हो जाता आसान।
शिक्षा ही है वह आइना , जिसमे तस्वीर ज्ञान की।
शिक्षा से ही बनता व्यक्ति , सभ्य संस्कार वान ।
शिक्षा ही करती है उज्ज्वल, भविष्य निर्माण।
शिक्षा से ही मिटता है , जीवन का अंधविश्वास।
शिक्षित होकर ही बनता व्यक्ति , अच्छा इंसान।
शिक्षा है सबका अधिकार , सब पढ़ेंगे , सब बढ़ेंगे।
सब पढ़ेंगे , देश बढ़ेगा।

नाम - रिधिमा शर्मा
कक्षा - बी ए तृतीया वर्ष
अनुक्रमांक- 21HIN01

समझौता

अपने सपनों को पूरा करूँ
या समझौता कर लूँ हालातों से।
गिर कर भी उठ खड़ा हो जाऊँ

या अपने जख्मों और दर्द में ही कहीं गुम हो जाऊँ।
जिंदगी के इन थपेड़ों से निखार जाऊँ
या सही वक्त की आस में इंतज़ार करता रहूँ।
अपने सपनों को पूरा करूँ
या समझौता कर लूँ हालातों से।

नाम - साक्षी पटियाल
कक्षा - बी ए द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक- 22ENG04

सच्चा मेल

प्रेम मिले तो जीवन है वरना एक रुखा खेल है ,
आपस में मिलना रूहों का देखो सच्चा मेल है।
प्यार के बंधन में बंध जा आनंद तभी तो आएगा,
वरना सारा जीवन लगता है मानो लम्बी जेल है।
बिना सहारे देख जमीं पे ही मिटटी बन जायगी,
आज अटारी पे लिपटी दिखती जो सुन्दर बेल है।
आंधी तूफ़ानों से भी जो लड़ता है पूरी शिद्दत से ,
समझो उस जलते दिए में भरा प्रेम का तेल है।
वो नारी पुरुष ही अच्छे हैं जो प्रेम सुधा बरसाते हैं ,
क्या फर्क पड़ेगा इससे मधुकर वो अगर दसवीं फेल है।

नाम - रजत ठाकुर
कक्षा वर्ष द्वितीय कॉम बी -
अनुक्रमांक- 22COM13

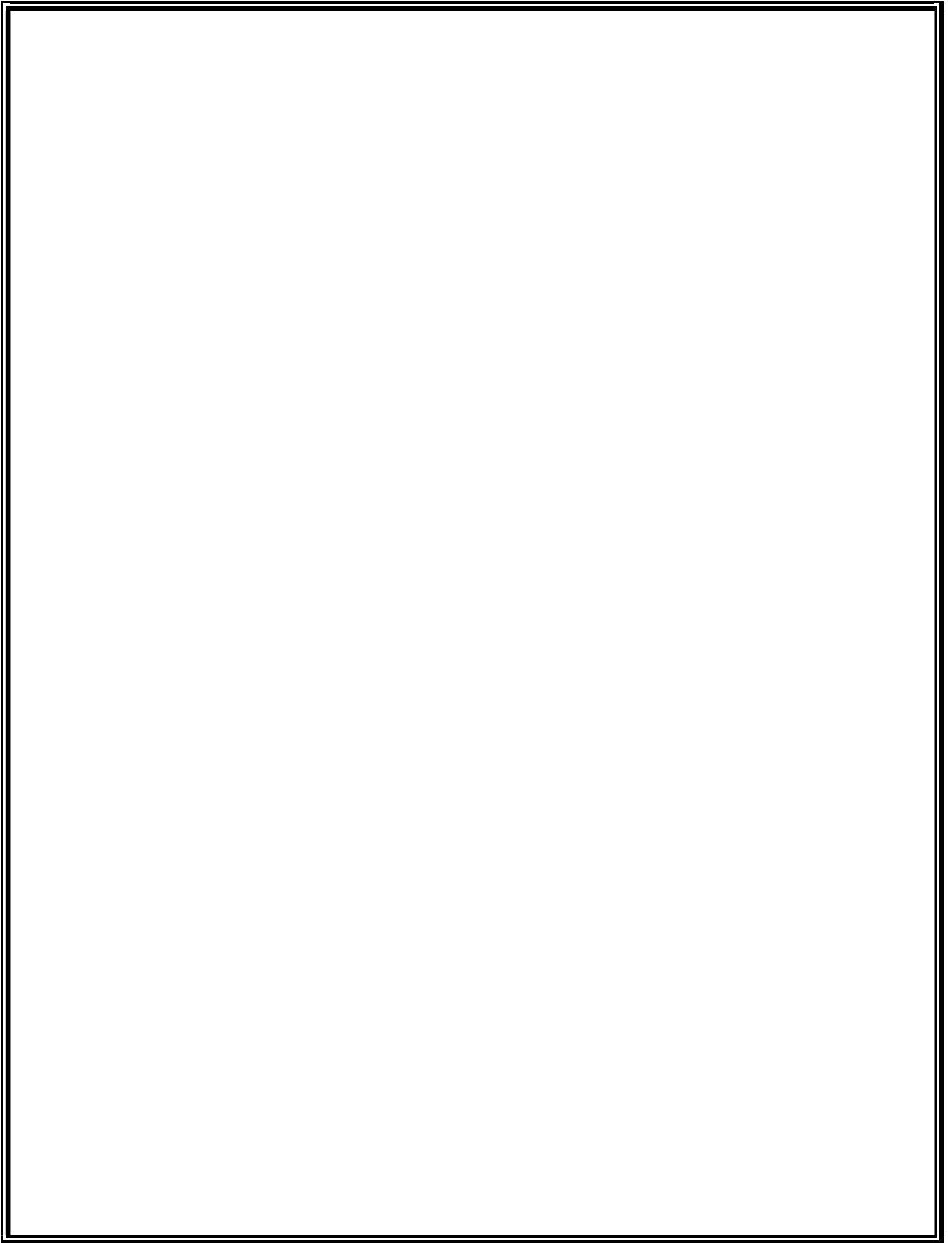
वार्षिक प्रतिवेदन-2023-24
रोवर्स एंड रेंजर्स सत्र 2023-24

रोवर (पुरुष स्काउट)और रेजर (महिला स्काउट)का उद्देश समाज सेवा है। निःस्वार्थ भाव से समाज की विभिन्न प्रकार की समस्याओं को दूर करने में रोवर्स व्यक्तिगत स्तर पर सेवाएं देते हैं , वर्तमान समय में महाविद्यालय में रोवर्स और रेंजर्स की एक-एक ईकाई पंजीकृत है। रोवर्स ईकाई में 12 तथा रेंजर्स ईकाई में 20 विद्यार्थी इस के लिए पंजीकृत हुए। इस सत्र में ईकाई के द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया गया।

- 1- दिनांक-02/09/2023 को एक दिवसीय स्वच्छता व पौधारोपण अभियान ।
2. दिनांक - 14/10/2023 को एक दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम ।
3. दिनांक - 07/11/2023 को रोवर रेंजर्स ईकाई के द्वारा रोवर/ रेंजर्स स्थापना दिवस मनाया गया, महाविद्यालय से लेकर कंज्यान बाजार एक awarners रैली का आयोजन किया गया।
4. महाविद्यालय के विद्यार्थियों व स्टाफ को रोवर / रेंजर्स बोट गए। इस सत्र में रोवर्स ईकाई के प्रभारी प्रो० भूपेंद्र कुमार तथा रेजर ईकाई के प्रभारी प्रो० सुनीता कुमारी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रोवर्स और रेंजर्स ईकाई प्रभारी

प्रो० भूपेंद्र कुमार
प्रो० सुनीता कुमारी





**Staff Editor
Prof. Nishant**



TAARIKA ENGLISH SECTION



**Student Editor
Anvi Thakur**

INDEX

S.N o	Title	Name	Roll No
1	EDITORIAL	Nishant (Asstt. Prof. English)	
2	FROM THE PEN OF STUDENT EDITOR	Anvi Thakur	21ENG08
3	MURDER OF ENGLISH	Vishakha	21ECO1
4	AMAZING FACTS IN ENGLISH	Riya Sharma	21COM39
5	IF YOU WISH....	Rachna Kumari	21HIS32
6	MY MOTHER	Sanjeev Kumar	21PS29
7	THIEF OF TIME	Vishal Banyal	
8	DO NOT BEG	Kunal Thakur	
9	LIFE	Yash Thakur	
10	FORGET ME NOT	Peyush Thakur	
11	FRIENDSHIP	Shiya Sharma	21HIS27
12	LIFE	Kajal	21HIS31
13	NEVER GIVE UP	Sanjana Kumari	21HIS44
14	A SMILE	Neha Kumari	21HIS16
15	6 SURPRISING FACTS	Kareena Kumari	21PS24
16	"A BEAUTIFUL POEM"	Anvi Thakur	21ENG8
17	TIME DEVOUR	Vaishali Rana	21ENG4
18	PATIENCE IS THE KEY TO FUTURE SUCCESS	Riya Sharma	21COM39
19	YOUR BEST	Gauri Agnihotri	21PS32
20	MY FIRST DAY AT THE COLLEGE	Nisha Kumari	20ZOO8
21	THE POWER OF ONE	Manisha Thakur	19HIS15
22	HISTORY OF CESTOBALL	Suraj Gathania	BA 2nd
23	INSIGNIFICANT	Vinay kumar (Asstt. Prof. Hindi)	
24	WITHOUT YOU	Vinay kumar (Asstt. Prof. Hindi)	
25	HISTORY OF WUSHU GAME	Dr. Virender Thakur (Asstt. Prof. Physical Education)	

EDITORIAL

When we look at a seed, we can never foresee that it will be a huge tree in the course of time until it begins its journey in the soil, getting the support of everything like water etc. for its onward growth. Every child is a seed. There are many persons needed in his life to reach the lofty heights. By the time a student reaches college, he becomes physically ripe. For his intellectual ripeness, he is exposed to various disciplines under the able guidance of brilliant teachers. In the present circumstances, so many distractions are there. Mobile phone has so caught the attention of the students that they don't have much time left for studies. Actually speaking, mobile phone had played havoc with their lives. Their energy has found numerous channels to flow. As a result, most of them have no energy left for higher learning. It has found that those who acquire academic qualifications leading to MA's MSc's and PhD's use only five percent of total energy. Most of them, after they settle down in their life, use only two and half percent of total energy they have at their disposal. The best of scientists like Albert Einstein use 15 percent of their energy and work wonders in the field of science. Just imagine the fate of those who devote no time for their intellectual refinement! Another important thing worthy of note is that with the increase in physical age, there is no increase in mental age. Nothing more shocking can be the finding that with the advancement in years, the mental age does not go beyond them. Thus, even at the age of 45 or 50 or 55, the mental age remains just 14. The fact remains that intelligence depends on mental age which must go beyond fourteen otherwise we live in this world to no purpose. The students in the college are supposed to gather the energy which they invest in fruitless channels.

The source of energy lies dormant in every student which a student is quite unaware of. The sure way to discover the immense reservoir of energy is Meditation for which our country is famous the world over. I Nishant (AP English) the editor of English Section of this magazine invite all the students to learn this knack to equip them with inexhaustible energy which can help them write the success story of their lives in future.

Nishant
Asstt. Prof. of English

FROM THE PEN OF STUDENT EDITOR

A college magazine is itself an institution which prepares its contributors to actively participate in whatever is going on around them, which affects their lives. It is a proud privilege for me to be the student Editor of 'Taarika' magazine. The job offered to me was tough and the completion of this work would have not been possible without the active support of Prof. Nishant (Teacher Editor) who continuously helped me in providing mistake free publication. The experiences which I have learnt as a student editor of English Section would definitely help me in near future. Finally, I would like to thank Prof. Nishant and all the students who helped me doing this job and giving it a final shape.

Name-Anvi Thakur
Class-BA 3rd
Roll No- 21ENG08

MURDER OF ENGLISH

- ✓ Pick up the paper and fall in the dustbin.
- ✓ Both of you stand together separately.
- ✓ Why are you looking at the monkeys outside when I am inside?
- ✓ Will you hang the calendar or else I will hang myself.
- ✓ I have 2 daughters both are girls.
- ✓ Give me a blue pen of any colour.
- ✓ The principal is revolving in the corridor.
- ✓ All of you stand in a straight circle.
- ✓ Open the window. Let the AIRFORCE come in.

Vishakha
Roll No – 21ECO1
Class – B.A 3rd Year

AMAZING FACTS IN ENGLISH

- ✓ The first English dictionary was written in 1755.
- ✓ The oldest English word is 'town'.
- ✓ The least used letter in English language is 'Q'.
- ✓ There are only 4 words in English language which end with 'dous'. They are: hazardous, horrendous, stupendous, tremendous.
- ✓ The word "bookkeeper" and "bookkeeping" are the only two words in the English language with three consecutive double letters.
- ✓ The dot on the top of letter 'i' is called title.
- ✓ The word 'strengths' is the longest word in the English language with just one vowel.
- ✓ The word 'almost' is the longest word in the English language with all the letters in alphabetical order.
- ✓ The word 'angry' and 'hungry' are the only two words which ends with 'gry'.
- ✓ Over 400 million people use the English vocabulary as their mother tongue.
- ✓ 'Queue' is the only word in English language whose pronunciation remains same after removing last four letters.
- ✓ 'Underground' is the only word in the English language that begins and ends with letters 'und'.

Riya Sharma
B. Com 2nd Year
Roll No – 21COM39

IF YOU WISH....

If you wish to see,
See the greatness of Bose and Nehru.
If you wish to hear,
Hear the speeches of Gandhi and Martin Luther king
If you wish to speak,
Speak the truth.
If you wish to be brave,
Be like Rani Laxmi Bai and Azad.
If you wish to love,
Love the beauty of nature.

Rachna Kumari
B.A 3rd Year
Roll No – 21HIS32

MY MOTHER

My Mother , my friend so dear
Throughout my life You're always near.
A tender smile to guide my way
You're the sunshine to light my day.

Sanjeev Kumar
B.A 3rd Year
Roll No – 21PS29

THIEF OF TIME

It's the thief of time,
Who won't let you be mine.
Keeps stealing you away,
For most of everyday.

Why do our moments go so fast,
When all I want is them to last.
Must be the thief of time,
Who won't let you be mine.

Vishal Banyal
B. Sc 2nd Year

DO NOT BEG

Beg no one to stay
When they decide
They want to leave
Your love is not a cage
For wild hearts
It is a gift to be well received.

Kunal Thakur
B. Sc 2nd Year

LIFE

Life is a restless poet
In search of inspiration
From its own words
Life is a rainbow.

Yash Thakur
Class – B. Sc 2nd Year

FORGET ME NOT

The choice was once
Your choosing
Before losing
Became my loss.
I was there in
Your forgetting –
Until I was forgot.

Peyush Thakur
B. Sc 2nd Year

FRIENDSHIP

Either winter or monsoon,
spring or summer,
this unsinkable ship,
floats forever,
This is my only lifeboat,
On which I can survive.
It is warmer than anything else,
and has always helped me to revive.

Shiya Sharma
B.A 3RD Year
Roll No – 21HIS27

LIFE

Let me but live my life from to year,
With forward face and unreluctantly soul;
Not hurrying to, nor turning from the goal;
Not mourning for the things that disappear
In the dim past, nor holding back in fear
And happy heart, that pays its toll
To youth and age, and travels on with cheer.
So let the way wind up the hill or down,
O'er rough or smooth, the journey will be joy;
Still seeking What I sought when but a boy,
New friendship, high adventure, and a crown,
My heart will keep the courage of the quest,
And hope the road's last turn will be the best.

Kajal
Roll No-21HIS31
Class- B.A 3rdYear

NEVER GIVE UP

If I made a mistake
then I would have to retake,
And do it once again
even feel the pain.
But there also lays a prize
and that made me realise that
even if I was to fail,
it would be a learning trail.
If I hope for medals and a cup,
I can't just rely on luck
I must do hard work
to show the world my worth

That's the essence of never giving up.

Sanjana Kumari
B.A 3rd Year
Roll No – 21HIS44

A SMILE

A smile is quite a funny thing,
It wrinkles up your face.

And when it's gone
You'll never find
Its secret hiding place.

But for more wonderful it is
To see what smiles can do.

You smile at one,
He smiles at you
And so, one smile
Makes two.

Neha Kumari
B.A 3rd Year
Class – 21HIS16

6 SURPRISING FACTS

- ✓ The hottest place in the world in Death Valley California. The temperature there has reached 134 F (56.7 c).
- ✓ Antarctica is the largest desert on Earth. It is 5.4 million square miles (14 million square kilometres). It's also the coldest windiest continent.
- ✓ NCIS is the world's most watched T.V show over 55 million people across the world have watched it.
- ✓ The largest at the Siberian tiger. At 700 pounds (320 Kilos), it is bigger than a lion.
- ✓ France is the most popular country to visit. It gets over 80 million visitors a year.
- ✓ The highest price for a car at an auction was just over \$ 38 million for a 1962 Ferrars. The auction happened in 2014.

Kareena Kumari
Roll No – 21PS24
Class – B.A 3rd Year

"A BEAUTIFUL POEM"

This poem is written so beautifully. So, have a look....

How can you "SM_LE" without "I"?
How can you "F_NE" without "I"?
How can you "W_SH" without "I"?
How can you be "N_CE" without "I"?
How can you be a "FR_END" without "I"?
So "I" am very important!
But how can I achieve "S_CCESS" without "U"?
How can I "LA_GH" without "U"?
How can I take a "C_P" of tea without "U"?
How can I enjoy the "S_NSHINE" without "U"?
How can I have "F_N" without "U"?
And that makes "U" more important than "I"!
Therefore, humans (U&I) = we need
One another in life to be happy.

Anvi Thakur
B.A 3rd Year
Roll No – 21ENG8

TIME DEVOUR

The passage of time
Neither yours nor mine
Holding the mystery
Creating the history
The page unexpected
I lost one respected
She loves me heartily
But left me stealthily
I awake and recall ever
She slept and awoke never
It was none other
But my grandmother
Her love still inspires
To get, set and fire.

Vaishali Rana
Class - B.A Final
Roll No. – 21ENG4

PATIENCE IS THE KEY TO FUTURE SUCCESS

. Today as a student, you may get disappointed when you score marks well below your expectation. Later in your career, there will be many occasions when you may fail to achieve a target you have set for yourself and could naturally feel frustrated.

. Making patience part of your personality will enable you to assess your working style, judge whether you are focusing on the right thing and aiming for a goal that is within your reach. It will even help you decide whether you should focus on a whole new goal.

. Ultimately control of anger, facing challenges and the mantra of patience are related to each other. Making sure you don't get stressed in the way to ensure you keep cool. All the qualities mentioned, especially patience plays the most important role in your life and help you develop a strong personality.

Riya Sharma
Class – B.com 2nd Year
Roll No. – 21COM39

YOUR BEST

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder.

And if your best
Was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me."

Gauri Agnihotri
Roll No – 21PS32
Class – B.A 3rd Year

MY FIRST DAY AT THE COLLEGE

I still remember that day,
My first day at the college,
I was happy as well as nervous,
experiencing the place and meeting new friends.

College to me was cheerful,
Maths, physics, chemistry was fearful,
As I stepped into my class,
I thought I was the greatest fool.

Then I made by self-relaxed,
Introduced myself to them all,
Though I was shy in front of girls,
Some show, I managed them all.

And now in come our miss,
Having a smile on her lips,
She then asked our names,
We told our names one by one.

And gave us a big applause,
I was a happy little one,
I still remember that day,
My first day at the college.

Nisha Kumari
Roll No – 20ZOO8
Class – B.SC (Med.)

THE POWER OF ONE

One song can spark a moment,
One flower can wake the dream.
One tree can start a forest,
One bird can herald spring.

One smile begins a friendship,
One handclasp lifts a soul.
One star can guide a ship at sea,
One word can frame the goal.

One vote can change a nation,
One sunbeam lights a room.
One candle wipes out darkness,
One laugh can conquer gloom.

One step must start each journey,
One word must start each prayer.
One hope will raise our spirits,
One touch can show you care.

One voice can speak with wisdom,
One heat can know what's true.
One life can make a difference,
You see, "IT'S UP TO YOU!"

Manisha Thakur
Roll No – 19HIS15
Class – B.A 3rd year

HISTORY OF CESTOBALL

Cestoball is an Argentine sport created by Professoer Enrique Romero Brest, the father of Argentine physical education. He began to design his rules in 1897 after participating in a Congress of physical Education in Holland. In 1903 he presented the sport to the Ministry of Education and Public Health as part of a Physical Education program for secondary school teaching, which was approved on March 17, 1903, the date on which Cestoball Day is currently celebrated.

In 1952 the Argentina Cestoball Confederation was created, becoming independent of volleyball in 1952. In the following years the game spread throughout Argentina, and several American countries (Paraguay, Uruguay, Peru, Bolivia, Chile, Brazil, Ecuador).

In 1986 it was decided to boost the ball to the basket internationally and in addition to making regulatory changes that led to a faster sport, its name was changed to Cestoball. The International Confederation of Cestoball is created.

How did Cestoball Reached India?

Mr. Mohamed Aquib a sports lover from Bangalore, india shouldered the responsibility to established Cestoball Federation of India and Asisan Cestoball Federation headed by B.s.Rafiulla, Nahanna.B, Sharanakumar Nayak, Ankur Singhal and From Asian Cuntrys Sri Lanka Mr. Nirmal Wirasingha, Miken Mahajan from Nepal, Shaiful Islam from Bangladesh, Dr. Hamid from Indonesia, Dr. Tirso A Ronquillo from Philippines and Cesoball Federation of India working hard to reach in School Game Federation of India(SGFI), All India University(AIU) in the process to getting recognizsation form Minister of Youth Affairs and Sports Government of India and India Olympic Association.

Suraj Gathania
(physical-education Major)
BA 2nd yr

INSIGNIFICANT

Who are despicable people
Which no one likes
Insignificant people are created by both time and fate.
The poor are despicable for the rich
Gentlemen are for despicable fools
The poor and the gentleman have the same pace
Considering oneself superior is the opinion of the rich and foolish.
Creates some trivial caste and race
The mother of good and bad is called psychosis.
All people are sons of one mother,
No two is alike.
All the good and bad are the ego of the mind.
All men meet the same fate.
The man who considers himself superior and despises others,
Gentlemen considered him a fool in their eyes.

Vinay Kumar
Astt. Prof. Hindi

WITHOUT YOU

I am sitting without you on the river bank.
Waiting for someone,
Just like I used to do with you.
I was so happy to see you coming,
Now this road is deserted,
But even today this bank of the river is my home.
I used to get excited seeing you coming.
Your laugh used to touch my heart.
But today this shore is deserted.
I am still waiting for you,
But I also know that you will not come.
Memories of the past create excitement in the heart,
My desires are afraid to see these deserted roads.
This shore was once the meeting place of you and me,
Life was full of happiness with your arrival.
I am sitting without you waiting for anyone,
But will she come?

Vinay Kumar
Asstt. Prof. Hindi

HISTORY OF WUSHU GAME

WUSHU is a traditional Chinese sports which pay attention to both internal and external exercises with fighting movements as its main contents and with routine exercises and free combat as its forms.

WUSHU a time honored sports in china, traces back to as early as the time of the clan commune in primitive societies. At that time there appeared the “XI” (Sports).

Of jiaodi (wrestling) and the “WU” (dance or exercise) of Ganqui (axe and shield) these are the earliest embryos of WUSHU, which served as means to build up health, cure diseases, prolong life, temper the fighting and will train military skills for the members of theses societies.

This primitive martial art has an unbroken chain of evolution from the beginning of china’s five thousand years old history, till today. Between, the 3rd and 6th centuries A.D., WUSHU came under the influence of Buddhism and Taoism, which elevated it from the position of a warrior art into a deeply meditative art form. During the period of Republic China (1912-1949) in the central WUSHU institute was established in Nanjing by the Republic Government and WUSHU has a become a component of the socialist culture and the people’s physical education and sports and has developed spectacularly. The rest of the world recognized WUSHU for the first time when the Chinese team gave demonstration in the Berlin Olympics in 1936. Since then, it has spread like wild fire across the world.

WUSHU first came in India in 1989 with the efforts made by late Sri Anand Kacker by formation of WUSHU ASSOCIATION OF INDIA and gaining its popularity day by day with its thirty-five units in all over India and approval from the Govt., of India, the Olympic committee and military, Para military forces.

Dr. Virender Thakur
Asstt. prof. Physical Education

WE

We live in a world of hate,
fearing the truth, blinded by lies,
lost souls, and glazed eyes,
silenced screams of terror and pain,
we ignore the helpless for fortune and fame,

We convince ourselves that what we do is right
when all we do is kill and fight,
for our beliefs may corrupt us,
and make us believe what is not there,
what to say, what to hear, what to wear.

We live among millions,
but each one of us alone,
in our mind, our body
we make these choices
we are only one...

Dr. Virender Thakur
Asstt. prof. Physical Education

Rovers & Rangers



Sports Activities



NAAC PEER TEAM VISIT 2024



Inaguration Idol of Sarswati Mata



Road safety Club



ELECTORAL LITERACY CLUB



Nav Grah Vatika



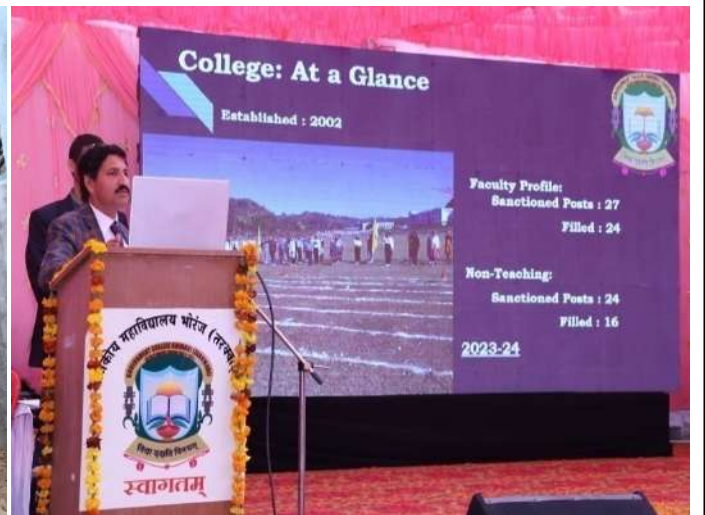
Green Space



Ayush Garden



Glimpses of Annual Prize Distribution Function (Session 2023-2024)





NSS ACTIVITIES



Eco Club



HimView HD

08-08-2023 - हमीरपुर हिमाचल प्रदेश

राजकीय महाविद्यालय भीरन में मनाया गया वनमहोत्सव

राजकीय महाविद्यालय भीरन के शिक्षक और छात्र सहभागिता में

Him View
आज भीरन उपखंड के राजकीय महाविद्यालय भीरन में वनमहोत्सव मनाया गया। जिसमें उपस्थित शिक्षक और छात्रों ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। इन्होंने बताया कि हम सभी का करज है कि हम पर्यावरण को स्वच्छ रखें और सभी को पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आएं।

KRS GLOBAL COMPUTER INSTITUTE JAHU
DCA, DDEO, DFA, TALLY WITH GST
ADDRESS: NEARBY BAHU JAL, BHORANJ (DIST. HIMACHAL PRADESH)
KRM - SHIMONDI - BHORANJ

MODULAR KITCHEN
BOOK NOW
UP TO 25% OFF
MOBILE INFO
+91 9480045596



WOMEN GRIEVANCE CELL



CAREER GUIDANCE CELL



Cultural Activities



SVEEP ACTIVITIES





Staff Editor
Prof. Pooja Kumari



TAARIKA SCIENCE SECTION



Student Editor
Priyanka

INDEX

S.NO	TITLE	NAME	ROLL NO
1	Editorial	Priyanka	21ZOO27
2	Importance of Botany	Komal Heer	22BOT10
3	Science in Everyday Life	Sakshi Chauhan	22BOT02
4	Twin Paradox	Vishal Banyal	22CHNM8
5	Atoms and The Bomb	Muskaan Sharma	22MTH7
6	How to Understand Science	Payal	22CHNMI
6	Article on Science In Everyday Life	Monika Sharma	22BOT14
7	Eleven Ways Plants make Humans Healthier	Riya Chandel	22ZOO3
8	Ayurveda	Aruna Kumari	22BOT03
9	The Paradoxical Commandments	Priyanka	21ZOO27
10	Global Warming	Kunal	22CHNM3
11	Poem on Science	Priyanka	21ZOO27

EDITORIAL

Dear Reader,
Greetings to you!!

Very few have fully realized the wealth of sympathy kindness and generosity hidden in the soul of a child. The effort of every educator should be to unlock that treasure and Goverenment Degree College Bhoranj is an excellent example where everyone strives indefatigably for this. This institute has been nurturing young minds of the rural areas for the past 21 years. With the belict that “Imparting quality education in rural area”. We are pleased to present ‘TAARIKA’ the college magazine of Goverenmnet Degree College Bhoranj. Enjoy every moment you have because in life there aren’t rewinds, only flashback of the inception of the college, its history and the events and achievements during the session 2023-2024.

We have for you, from the Science Students, a wide range of poetry, some informative and inspirational articles.

Happy reading!

Name-Priyanka
Class- B.Sc 3rd yr(Medical)
Roll No-21ZO027

IMPORTANCE OF BOTANY

It is the branch of biology that deals with the study of plants. Botany also includes other area like forestry, horticulture, agriculture, conservation and plant ecology.

The following are the reason that satisfied the importance of botany.

- It helps in medicine and cosmetics.
- Botany is essential for the creation of biofuels such as biomass and methane gas which can be used to replace fossil fuels.
- It help farmers to increase crop yield.
- The study of plant is important for environmental protection.

One of the most important roles of botany is in agriculture. Botanical research has led to development of new and improved crop varieties that are more resistant to pest, diseases and environmental stress.

Name-Komal Heer
Class-B.Sc. 2nd Year
Roll No: 22BOT10

SCIENCE IN EVERY DAY LIFE

Science is the best servant but the worst master. Modern men's life is so much influenced by science that it is impossible to imagine without it. Medicine, transport and communication and other aspect of everyday life has been revolutionized by science. Rapid transport and the communication system has turned the world into a global village. Besides this there have been invention and introduction of various machines to replace human hands as well as to enhance production.

Name-Sakshi Chauhan
Class-B.Sc 2nd Year
Roll No :22BOT2

TWIN PARADOX

In physics, the twin paradox is a thought experiment in special relativity involving identical twins, one of whom makes a journey into space in a high-speed rocket and returns home to find that the twin who remained on earth has aged more. This result appears puzzling because each twin sees the other twin as moving, and so, as a consequence of an incorrect and naive application of time dilation and the principle of relativity, each should paradoxically find the other to have aged less. However, this scenario can be resolved within the standard framework of special relativity. The travelling twin's trajectory involves two different inertial frames, one for the outbound journey and one for the inbound journey. Another way of looking at it is to realize the travelling twin is undergoing acceleration which makes them a non-inertial observer. In both views there is no symmetry between the space time path of twins. Therefore, the twin paradox is not actually a paradox in the sense of a logical contradiction. There is still debate as to the resolution of the twin paradox.

Name- VISHAL BANYAL
Class-B.Sc 2nd Year
Roll No : 22CHNM8

ATOMS AND THE BOMB

What exactly is an atomic explosion and how does it work? Actually, the name “atomic bomb” itself is a misleading. What occurs is actually a nuclear reaction. However, when first atomic tests were conducted by American Scientists more than 50 years ago, it was thought that most people would not understand the meaning of the word nuclear. So they called it an ‘Atomic Bomb’ or more simply it is often called an ‘Atom Bomb’. At the end of last century, it was established that atoms do exist.”Ernest Rutherford” in England in 1911 showed that atoms have a small central core (about 100,000) times smaller than the atom itself called the nucleus. The nucleus is positively charged surrounded by negatively charged particles called electrons.

Most of the atom is really empty. The electrons orbit around the nucleus, just as the planets orbit the sun. The nucleus is not a blab, but it is made of protons and neutrons. The proton is positively charged (equal and opposite to electron), the neutron has no charge. However, a proton and a neutron are both around 2000 times heavier than an electron. All interactions which causes matter to be formed in large amounts (for example liquids, solid pieces of metal), are governed by properties of the electrons. The energy due to these electric interactions is not very large: for example, you can melt ice or make steam just by cooling or applying heat in an ordinary kitchen at home. We do not need big laboratories for these processes.

The energies involved in nuclear reaction (involving protons and neutrons) turn out to be millions of times larger than these electronic energies. Almost within two decades of the discovery of the nucleus, it was clear to scientists that atoms had, trapped within their nuclei, enormous sources of energy. The clock was already ticking away towards the first atom bomb.

Name-Muskaan Sharma
Class- BSc. 2nd Year
Roll No – 22MTH7

HOW TO UNDERSTAND SCIENCE

Chemistry is a chemical mystery

It is full of Atoms and Molecules history

But if you try to understand its basic theory

You can get a remarkable victory or glory.

Physics is broad subject

Everyday confused in its objects,

But if you take interest in its concept

You can make on it a big project.

Mathematics is a deep valley of formula treasure

But it uses you theoretically

And mathematics knowledge together,

You can find a beautiful pleasure.

Name - Payal
Class - BSc 2ND Year
Roll No - 22CHNMI

ARTICLE ON SCIENCE IN EVERYDAY LIFE

Science is the best servant but the worst master. Modern man's life is so much influenced by science that it is impossible to imagine without it. The 20th century was primarily the age of science which affected every aspect of human life. Medicine, transport and communication and other aspect of everyday life has been revolutionized by science. Rapid transport and the communication system has turned the world into a global village. Besides this there have been invented and introduced various machines to replace human hands as well as to enhance production. From the tooth brush and the paste that we need in the morning to the television set or music system that we enjoy at bed time everything is the gift of science.

Name - Monika Sharma
Class - BSc 2nd Year
Roll No - 22BOT14

ELEVEN WAYS

PLANTS MAKE HUMANS HEALTHIER

- **Enhance your node** – Natural smell of soil and plants reduces anxiety and give freshness. They also help your body to low cortisol (bad mood chemicals) and release serotonin (good mood chemicals).
- **Contribute to lower blood pressure** – Those who interact and spent time with plants had significantly lower blood pressure.
- **Plants purify air** – Plants produce oxygen during the day, making air around them fresher.
- **Provide fresh food when needed** – Vegetable and fruit plants can also be grown indoor and outdoor.
- **Moisturizes the air in dry seasons** – Plants release moisture into air, which increase the humidity in its surrounding.
- **Mental Well Being** – Indoor plants helps people concentrate and focus.
- **Makes you creative** – It helps to increase your productivity and creativity.
- **Caring plants lights depression** – Taking care of plants in garden release both dopamine and serotonin.
- **Stronger Immune system** – Children raised around plantations have higher levels of key immune chemicals, and having strong immune system.
- **Pleasant smell** – Natural smell of flowers and plants reduces the anxiety and give freshness.
- **Calm you down** – AIDS patients were significantly less likely to become depressed if they interacted with plants in a garden on regular basis.

Name - Riya Chandel

Class - BSc 2nd Year

Roll No – 22Z003

AYURVEDA

It is the traditional Hindu system or indigenous system of medicine.

Ayur: life, veda:-science or knowledge.

So, Ayurveda means knowledge of life.

Ayurveda is one of the world's oldest medical systems and remains one of India's traditional health care systems.

Charkha is known as the “Father of Ayurveda”-The original conception of Ayurveda in its entirety is essentially linked to” Dhanwantari” who is considered as “God of Hindu Medicine”.

Principle: - The basic principle of Ayurveda medicine is to prevent and treat illness rather than response to indicator of diseases –by maintaining balance in and harmony between our body, mind and environment. Ayurveda believes that the entire universe is composed of five elements: -

Vayu (air), jala (water), Aakash (space), prithvi (earth), teja (fire).

The science of Ayurveda and the three Dosas.

- 1) Vata: - It is always mobile and regulates the central nervous system.
- 2) Pitta: - It is viewed similarly to the sun of governs the digestive system.
- 3) Kapha: -It controls the balance of the body tissue fluids and growth of the cells and the body's muscular tone.

There are eight (astha) branches of Ayurveda: -

- 1) Kaya chikitsa: - Medicine
- 2) Shalya tantra: - Surgery
- 3) Shalkaya: - ENT (Ear, Nose and Throat) omthamology.
- 4) Kavmrhritya: - Pediatrics and obstretics.
- 5) Agad tantra: - Taxicology.
- 6) Bhoot vidya: - Psychiatry.
- 7) Rasayanvidya: - Rejuvenation and geriatrics.
- 8) Vajikarana: - Related to sexual health of a person.

Benefits of Ayurvedic Medicines: -

- 1) It increases immunity.
- 2) It is natural.
- 3) It has no side effects.
- 4) Removes diseases from the root.
- 5) Toxins in the body are reduced.
- 6) Relaxes rejuvenation and revitalizes.

Examples: -Ayurveda medicines:

Ashwagandha, Triphala (amla, bibhitaki, haritaki), Turnmeric, Brahmi, Cardamom, Gotu kola, Cumin, Licorice root.

Name -Aruna Kumari
Class - B.Sc. 2nd yr
Roll No – 22BOT3

THE PARADOXICAL COMMANDMENTS

- People are illogical, unreasonable, and self centered.
“Love them anyway.”
- If you do good, people will accuse you of selfish ulterior motives.
“Do good anyway.”
- If you are successful, you will win false friends and true enemies.
“Succeed anyway.”
- The good you do today will be forgotten tomorrow.
“Do good anyway.”
- Honestly and frankness make you vulnerable.
“Be honest and frank anyway.”
- The biggest men and women with the biggest ideas can be shot down by the smallest men and women with smallest minds.
“Thinks big anyway.”
- People favor underdogs but follow only top dogs.
“Fight for a few underdogs anyway.”
- What you spend years building may be destroyed over height.
“Build anyway.”
- People really need help but may attack if you do help them.
“Help people anyway.”
- Give the world the best you have and you will get kicked in the teeth.
“Give the world the best you have anyway.”

Priyanka
BSc. 3rd Medical
Roll No – 21Z0027

GLOBAL WARMING

Global warming is the long term warming of the planet's overall temperature. Though this warming trend has been going on for a long time, its pace has significantly increased in the last hundred years due to the burning of fossil fuels. As the human population has increased, so has the volume of fossil fuels burned?

Global warming has presented another issue called climate change. Climate change refers to changes in weather patterns and growing seasons around the world. Global warming causes climate change, which poses a serious threat to life on earth in the forms of widespread flooding and extreme weather.

Ways to reduce Global Warming: -

1. **Renewable energies:** - The first way to prevent climate change is to move away from fossil fuels and use renewable sources of energy like Solar, Wind, and Geothermal Energy etc.
2. **Energy Reduction:** - Producing clean energy is essential, but reducing our consumption of energy by using more efficient devices (L.E. D's) is less costly and equally important.
3. **Sustainable transportation:** - Promoting public transportation, carpooling, but also electric and hydrogen mobility can definitely help reduce CO₂ emissions and thus fight global warming.
4. **Forestation:** - By planting trees, we can also reduce the effect of global warming.

Kunal
B. Sc 3rd Year
Roll No – 22CHNM3

POEM ON SCIENCE

Science is like a hidden treasure,
It's not much difficult to measure.
Science is full of logics,
Sometimes it goes beyond Magics.
Science solves lots of Mysterious,
This is made up of chemicals histories.
Science teaches us various Chemistries

Like branches on Banyan Tress.
Science is like a boon,
It carries people to planets and to the Moon.
Science is a symbol of silence,
It brings brilliance with challenge of excellence.
It teaches us the rotation
Gradual moves of earth motion.
Science gives us resources,
With study of Gravitational forces.
When science combines with mathematics,
It creates a wonderful statistic.
Science has become great,
Construct bridges of Success and faith.

Priyanka
B.Sc. 3rd year
Roll No. 21ZOO27



प्राध्यापिका सम्पादिका
डॉ आशा



तारिका संस्कृत अनुभाग



छात्रा सम्पादिका
कुसुम कुमारी

विषय सूची

क्र० सं०	विषय	लेखक/लेखिका	कक्षा
1	सम्पादकीयम्	कुसुम कुमारी	बी. ए. तृतीय वर्ष
2	भारतवर्षः	कुसुम कुमारी	बी. ए. तृतीय वर्ष
3	महाविद्यालयस्य प्रथमदिने	मिनाक्षी देवी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
4	प्रकृति	साक्षी पटियाल	बी. ए. द्वितीय वर्ष
5	अनुशासनम्	प्रियंका कुमारी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
6	मम मातृ भूमिः	दिव्या शर्मा	बी. ए. द्वितीय वर्ष
7	सरस्वती पूजा	प्रियंका कुमारी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
8	स्मृतिसौरभम्	रिधिमा शर्मा	बी. ए. तृतीय वर्ष
9	संस्कृत दिवसः	प्रियंका	बी. ए. तृतीय वर्ष
10	विश्व योग दिवसः	लता देवी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
11	संस्कृतवाणी	लता देवी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
12	नारी शक्ति	अंजली भारद्वाज	बी०ए० तृतीय वर्ष
13	ज्ञानवर्धक श्लोकाः	दिया	बी०ए० तृतीय वर्ष
14	मम मातुः	मीनाक्षी देवी	बी. ए. द्वितीय वर्ष
15	ॐ श्री परमात्मने नमः	अर्चना कुमारी	बी. ए. प्रथम वर्ष
16	गुरुस्तोत्रम्	नेहा कुमारी	बी. ए. तृतीय वर्ष
17	संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्	मिनाक्षी देवी	बी. ए. द्वितीय वर्ष

सम्पादकीयम्

हर्षस्य विषयोऽयं यत् अस्मिन् वर्षे अपि अस्माकम् महाविद्यालय तारिका पत्रिका प्रकाशयते । छात्राणाम् कृते स्वकीय भावनानाम् विचाराणाम् च प्रकटीकरणस्य अयं उचित अवसरः एतेन छात्रा भाषा प्रयोग वैशिष्ट्यं शिक्षन्ते । वस्तुतः विद्यालयाः महाविद्यालयाः विश्वविद्यालयस्य छात्राणाम् सर्वाङ्गीण विकासाय प्रयासः कुर्वन्ति । छात्राणाम् भावीजीवनस्य दिग्दर्शनम् पथ प्रदर्शनम् च अत्रैव भवति संस्कृत भाषा गीर्वाण भारती देववाणी नाम रूपेण ज्ञायते । यत्र संस्कृत तत्र संस्कृति तारिका पत्रिकायाम् एको भागः संस्कृत भाषायाः अपेक्षितम् वर्तते । भावाभिव्यक्ति मानव जीवनस्य सर्वातिशायिनी शक्ति भवति, अनया बिना मानवः मूक भवति । संस्कृत भाषा भारतस्य संस्कार अस्याः ज्ञानार्थं संस्कृत नाम अतीव आवश्यकम् वर्तते । संस्कृतस्य छात्रत्वात् अहं तारस्वरेण ब्रवीमी यत् सर्वे एवं भारतीय संस्कृत आवश्यकम् पठनीया । किम् बहुना इयम् अस्माकं मार्गदर्शकः अस्ति । अन्ते च अहं संस्कृत प्राध्यापिकाः डा. आशा प्रति एवं आभारं प्रकटीकरोमि यो ममोत्साह वर्धनम् मार्गदर्शनम् च कृत्वान् । अहं विश्ववासिनी यत् पत्रिकायाम् संस्कृतानुभागः सर्वान् छात्रान् रोचयते ।

कुसुम कुमारी

भारतवर्षः

अस्माकम् देशः भारतवर्षम् अस्ति।
अयं हि हिमालयात् रामेश्वरम् पर्यन्तम् ।
पुरीतः द्वारका पर्यन्तम् प्रसृतः अस्ति ।
अत्र गङ्गा, यमुना, गोदावरी, बृह्मपुत्र
प्रभृतयः नद्यः अमृतोषम् तोयं वहन्ति।
अत्र काशी, प्रयाग, मथुरा, प्रभृतयः तीर्थनगराणि सन्ति ।
अत्र कलकता, बम्बई, मद्रास, कानपुर, दुर्गापुर, राउरकेला प्रभृतयः उद्योगप्रधानाः नगर्यः सन्ति ।
अत्रैव राम-कृष्ण, गौतमः जाताः । गाँधी -नेहरू- पटेल प्रमुखाः महापुरुषाः अत्रैव उत्पन्नाः ।
अयं देशः ग्रामप्रधानः कृषिप्रधानः कथ्यते । अस्य देशस्य राष्ट्रभाषा हिंदी अस्ति या संस्कृत भाषयाः आसजा अस्ति ।

नाम - कुसुम कुमारी
कक्षा - बी. ए. तृतीय वर्ष

महाविद्यालस्य प्रथमदिने

महाविद्यालस्य प्रथमदिने
पुरातनमित्राः विभक्ताः नूतनाः
मित्राणी मिलितवन्तः
महाविद्यालस्य प्रथमदिवसः इति
कारणेन सर्व नवीनम् आसीत् ।
शिक्षायाः नूतनः संसारः आसीत् नूतनः
शिक्षकसमद्य आसीत् वक्षःस्थले
स्थले घबराहटः आसीत्
विचित्रः भयः आसीत् ।
यत् महाविद्यालस्य प्रथमदिनम् आसीत् ।
दिवसः व्यतीतः घबराहटस्य समाप्तिः
आरब्धा । वयं केचन पुरातनमित्राः केचन शिक्षकाः च मिलितवान् अपि च वयं वतावरणे सम्मिलितुं
आरब्धाः ।
अधुना अहं तत् भयं
अवगच्छामि यतः महाविद्यालस्य प्रथमदिनम् आसीत् ।

नाम - मिनाक्षी देवी
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष

प्रकृति

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् आपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मानेयम् ।
भ्रमराणाम् पशूनां,
पक्षिणाम् च मातास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा
ददाति प्रकृतिः ॥
अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् आपि मातास्ति
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
नमोस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै ॥

नाम - साक्षी पटियाल
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष

अनुशासनम्

- 1) समाजे नियमानां पालनम् अनुशासनम् भवति ।
- 2) जीवने अनुशासनस्य विशेषम् महत्वं भवति ।
- 3) प्रत्येके पदे अनुशासनम् आवश्यकम् भवति ।
- 4) अनुशासनम् बिना किमपि कार्यं सफलं न भवति ।
- 5) छात्रेभ्यः अनुशासनम् परमावश्यकम् अस्ति ।
- 6) अनुशासितः सर्वेभ्यः प्रियः भवति ।
- 7) यस्मिन् समाजे अनुशासनं न भवति तत्र सदैव कलहः भवति ।
- 8) शिक्षकस्य अनुशासने छात्राः निरंतरं उन्नतिपथे गच्छन्ति ।
- 9) प्रकृतिः अपि ईश्वरस्य अनुशासने तिष्ठति ।

नाम : प्रियंका कुमारी
कक्षा : बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. : 21 SKT 1

मम मातृ भूमिः

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" ।
मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति ।
माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' इति वेदवाक्यम् अस्ति । मातृभूमि सर्वे नरैः वन्दनीया भवति ।
येन - केन - प्रकारेण मातृभूमिः रक्षणं करणीयम् ।

नाम-दिव्या शर्मा
कक्षा- बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. - 22PS23

सरस्वती पूजा

सरस्वती अस्माकं एका देवी अस्ति । इयं ज्ञानस्य देवी अस्ति । सरस्वत्याः चत्वारः हस्ताः ।

तेषु एकस्मिन् हस्ते पुस्तकम् धारयति, एकस्मिन् हस्ते मालां धारयति, एकस्मिन् हस्ते वीणां धारयति तथा एकेन हस्तेन वीणां वादयति ।

"सरस्वत्याः वाहनं हंसः अस्ति । इयं पद्मासने तिष्ठति । इयं शुक्लानि वस्त्राणि धारयति । अस्याः मूर्तिः अतीव मनोहरा गम्भीरा शान्तिमयी प्रसन्नकारा च भवति ।

सरस्वती ज्ञानस्य अधिष्ठात्री देवी अस्ति । इयं ज्ञानमयी अस्ति । इयं ज्ञानं ददाति, अज्ञानं च निवारयति । इयं विवेकं ददाति, अविवेकं च निवारयति । इयं विद्याम् ददाति अविद्यां च नाशयति ।

नाम-प्रियंका कुमारी
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. -21 SKT 1

स्मृतिसौरभम्

आनन्दगङ्गा वहतीव यत्र
सौन्दर्यसिन्धुः सरतीव यत्र ।
बन्धुत्वसिन्धुश्चलतीव यत्र संस्कारशुद्धोऽरितः स वो विभागः ॥
विलोक्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठां
चेष्टां च सर्वा निजनेत्रकान्त्या ।
जात हि, चित्तं सुखमण्डितं मे
विद्या पतो मे जननीव जीर्णा ॥
शुष्प्रा सुचित्रा सूरला सुभद्रा
विभागदायित्वनगाधिरूढा ।
बन्धुत्वविद्याविषये प्रवीणा
ता भारती स्नेहवती स्मरामि ॥
या माधवी माधव भावसिक्ता
सदानुक्ताऽध्ययनेऽतिशान्ता । विद्योतते या प्रतिमेव साक्षात्

नाम -रिधिमा शर्मा
अनु.-21HIN1
कक्षा - बी. ए. तृतीय वर्ष

संस्कृत दिवसः

आमन्त्रितोल्लासविलासिवर्षः
विवृद्धवृद्धौधहृषीकहर्षः ।

विद्योतितच्छात्रगुणप्रकर्षः
सुपर्वभाषादिवसोऽयमार्षः ॥
मनोमुदः कोविद् कुञ्जराणाम्
तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम् ।
गुणैर्गिरिष्ठैरिह भासमानो
विराजतां संस्कृत वासरोऽयम् ॥
प्रतिप्रदेशम् किल कीर्तिघोषः
जनैः समुत्तोल्य मुदा स्वदोषः ।
गीर्वाणवाणीगुणगौरवाणा
माचर्यते संसदि कोविदानाम् ॥

नाम : प्रियंका
कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
अनु. : 21 HIS 17

विश्व योग दिवसः

जून मासस्य एकविंशति तारिका विश्वयोगदिवसः भवति ।
भारतस्य प्रधानमन्त्रिणा नरेंद्र मोदी महोदयेन 2014 वर्षेण आरब्धः अयम् उत्सवः अस्मिन् दिने प्रातः
विद्यालये सर्वकारय कार्यालये सार्वजनिकस्थलेषु च अयम् दिवसः विशेषरूपेण मान्यते । विशेषतया बालक
बालिकाः मातापितरः अध्यापकाः सर्वे मिलित्वा योगसनानि कुर्वन्ती । प्राणायाम् आसनानि च अस्मभ्याम्
शांतिमयं जीवनं यच्छन्ति ।
अस्माकम् विद्यालये पञ्चशनाधिका छात्राः अस्मिन् दिनैः योगसनानि कुर्वन्ति स्म । पदमासनम्,
तितलीकासनम्, वज्रासनम्, शवासनम्, काणसनम् इत्यादीनि आसनानि वयम् अकुर्मः । विद्यालस्य
योगाचार्यः कलैवाणम् महोदयः आसनानि प्रभोजनानि प्रति छात्रान् अवदत् ॥

नाम : लता देवी
कक्षा : बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. : 21 SKT 4

संस्कृतवाणी

सरला सरला संस्कृतवाणी जयति मंगला संस्कृतवाणी ॥
वेहदि हिमालयश्च वहन्ति विमला गङ्गा कल्याणी ॥
अङ्गाना धारा भिरूडारा उपनिषदाभपि निहितविचारा दर्शनं तत्र
पुराण स्मृतितति ।
काव्य कथा नाटकपरिवारा ॥

सूक्ति सुधा पानं भुवि कुर्वन् ।
भवति सुखी सकलः प्राणी ॥
अतुलो यस्या शब्दगारः शास्त्राणाम् विपुलो विस्तारः ।
निचरुच्चैरभतिः पारित । शुद्धा क्वापि न तत्र विकारः ॥
चिन्तन मनन निदिध्यासनतो विज्ञानानां निर्माणि ॥
ज्ञानं मानवतयाः वितरति विश्वप्रेम दिशन्ति विहरति ॥
समता ममता सभादराणाम् । भाव प्रतिजन हृदयं प्रसरति ।
वन्दे तां संयोज्य भक्तितो विनतरिश स्वीययौपाणी
जयति मङ्गला संस्कृतवाणी ।

नाम - लता देवी
कक्षा - बी.ए. द्वितीय वर्ष

नारी शक्ति

जागर्तु नारी जाग्रत
किमर्थं दहलीयां संकोचः अस्ति । आतङ्कवादिनः उत्तरं दातुं भवतः
वार आगतः ।
त्वम शक्तिः त्वं काली त्वं दुर्गा भवानी पराजयः कदापि तव न भविष्यति यत मनसि निश्चय कृतवान् ।
स्वस्य तादात्म्यं न प्रभावितं कर्तुं दत्त्वा आत्मनः प्रोत्साहनं कुरुत ।
जागर्हे नारी, जाग्रत, किमर्थं त्वं द्वारे एतावत् लज्जितः असि । दुःशासनः भवतः मार्गे कुत्राचित् भवतः बाधां
कर्तुं स्थितः इति अर्थः, भवतः निरोधाय बहवः विहना, सन्ति आतङ्कवादिनः उत्तरं दातुं भवतः वारः
आगतः ।

नाम-अंजली भारद्वाज
कक्षा - बी०ए० तृतीय वर्ष

ज्ञानवर्धक श्लोकाः

सुरार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः
कुतो सुखम् ।
सुखार्थं वा त्यजेत विद्या विद्यार्थी वा त्यजेत सुखम् । दुर्जनः सज्जनः भूयात् सज्जनः शान्तिम्
आप्नुयात् शान्तः मुञ्चेत न तु
वित्तस्य संचयात् गौरव प्राप्यत
दानात् न तु वित्तस्य संचयात् । स्थिति उच्चैः पयोदान, पयोधीनम् अधः स्थितिः । जाड्यं धियो हरति स्थिति
वाचि सत्यम् मानोन्नति

दिशति पापमपाकरोति चेतः प्रसादयति दिक्षुः तनोति
कीर्तिम् ।

संत्सगतिः कथय किं न करोति पुंसाम् ॥
अपूर्वः कोऽपि कशोऽपि विद्यते तव भारति ।
व्ययतः वृद्धिमायाति संचयात् ।

नाम- दिया
कक्षा -बी०ए० तृतीय वर्ष
अनु.-21 Hino2

मम मातुः

माता एव अस्मान् न केवलं जनयति पितु अस्मान् पोषयति अपी ।
मातुः अस्य सम्बन्धस्य जगति सर्वाधिक सम्मानं दीयते ।
माता जगति सर्वाणि कष्टानि सहित्वा अपि स्वसन्ततिभ्यः • उत्तम सुख दातुम् इच्छति ।
मम माता मम जीवने बहवः महत्वपूर्णाः भूमिकाः निर्वहति सा मम शिक्षकः मार्गदर्शकः च अस्ति तथा च
मम परममित्रः अस्ति ।
यदा अहं विपत्तौ अस्ति तदा सा मम विश्वासं ददाति
अहम् यत् किमपि मम जीवने अस्ति तत् केवलं मम मातुः कारणात् यतः सा मम सफलतायाम्
असफलतायाम् च मया सह अस्ति ।
सा मम दुःखेषु मया सह आसीत् मम क्लेशेषु मम बलम् कृतवती अस्ति तथा च सा मम प्रत्येकस्य
सफलतायाः स्तम्भः अपि अस्ति ।
तस्य परिश्रमः, निःस्वार्थता, साहसः त्यागः च मम मनसि सर्वदा प्रेरणाम् अयच्छत् । सामाजिकव्यवहारत्
आरभ्य ईमानदारी परिश्रमः च महत्वपूर्णः पाठाः सः मम कृते दत्तवान् ।

नाम - मीनाक्षी देवी
कक्षा-बी०ए०द्वितीय वर्ष
अनु.-21SKT 2

ॐ श्री परमात्मने नमः

अथ प्रथमोऽध्यायः
धृतराष्ट्र उवाच
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।

मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय ॥१.१॥

संजय उवाच

दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ।

आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत् ॥

पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ।

व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥

नाम - अर्चना कुमारी
कक्षा - बी. ए. प्रथम वर्ष
अनु. - 23 HIN 05

गुरुस्तोत्रम्

❖ अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् । तत्पादं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

श्लोकार्थ : हमारा उन पूज्य गुरुदेव को सादर नमस्कार है जिन्होंने हमें उस परम पद का ज्ञान कराया जो अखण्ड है, अनन्त है, दिव्य तत्त्व है, जिस पर पद के द्वारा समस्त जड़ और चेतन रूप ब्रह्मांड व्याप्त हो रहा है ।

❖ अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशालाकया । चक्षुरुनमिलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

श्लोकार्थ : हमारा उन श्री गुरुदेव को नमस्कार है जिन्होंने अज्ञान रूपी अंधकार से अंधे हुए हमारे चक्षु को ज्ञानरूपी अंजन लगाकर खोल दिया ।

नाम : नेहा कुमारी
कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
अनु. : 21 HIS 16

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

संस्कृत भाषा सर्वासु विश्वभाषासु प्राचीनतमा इत्यत्र नास्ति विवादः । ग्रीक लैटिन भाषा संस्कृत भाषापेक्षया पाश्चादुत्पन्ना इति भाषा विज्ञानस्य विदुषा मतम् केय संस्कृत भाषा? इति पश्चे उपस्थिते प्रकृतिप्रत्यादिसंस्कार विशेषैः संस्कृतत्वादिय खलु संस्कृत भाषा व्यावहारिकी भाषा असीत । कामम् सा लोकभाषा केवलं शिष्टानाम् । रामायण महाभारतकाले चैयम् जनसाधारणास्य वार्तालापभाषा ।

रामायणे इल्वते नाम राक्षसो विप्र रूप धृत्वा ब्राह्मणान् संस्कृत भाषयैव निमंत्रित्वान। हनुमानपि अशोक वटिकायां सीताया सह संस्कृतभाषायामेव वार्तालापकरोत वाल्मीकिरियां मानुषीति नाम्ना भवती। वेदाः विश्वस्य प्राचीनतमा ग्रन्थः मन्यते । एषु वेदेषु एव भारतस्य प्राचीनसंस्कृते मुखर चित्र विद्यते। वेदानाम अभावे अस्माकम् संस्कृतिः लुप्ता स्यात् एतद् दर्शनमपी संस्कृत भाषायाः उपनिषत्सु एव प्राप्यते। भारतीयदर्शनस्य विलक्षणातम अधिकृत्यैव एतत् कथ्यते यत्र पाश्चत्यदर्शन समाप्येत, तत्र भारतीय दर्शन प्रारभते।

संस्कृत भारत एक्ययसूत्रम् निर्मात्री भाषा वर्तते । प्राचीन् काला देव देववाणी समस्ते अपि भारते युज्यमाना दृश्यते संस्कृतभाषायाः न केवल दर्शन साहित्यमेव उत्कृष्टमेव अपितु साहित्ययस्य अन्याः अपि विद्याः सुस्मृद्धा वर्तन्ते। अर्थम् अधिकृत्य, धर्म अधिकृत्य कामम् अधिकृत मोक्षम् अधिकृत्य अस्यां भाषायाँ बहवोः ग्रंथा विद्यन्ते ।

आधुनिक भाषणाम् विकासाय आपि संस्कृतस्य महती अपेक्षा वर्तते । दक्षिणस्य भाषाः विद्यय अन्या विद्यय सर्वाभाषा संस्कृतात एवं विकसितः सन्ति । अद्य आसा भाषाः बिना सर्वथा असम्भवम् वस्तुतः संस्कृत आधुनिक भारतीय भाषणाम् बीजम् बिना पादपस्य अविभार्व शाखानां प्रसारश्च अविभविः शाखानां प्रसारश्च असम्भव एव अतः अस्याः भाषाया महत्व स्पष्टम् । भरतमुनिनाट्यशास्त्रस्य कथनम् अवलोक्यताम् न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्यान साक्ला! न सा योगो न तत्कर्म चेन्नाटयेअस्मिन् न दृश्यते!

नाम - मिनाक्षी देवी
कक्षा - बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. - 21 SKT 2



Staff Editor
Prof. Nikhil Kumar



TAARIKA

COMMERCE SECTION



Student Editor
Riya Sharma

INDEX

S.No	Title	Name	Roll.No
01	EDITORIA	Riya Sharma	21COM 39
02	TRANSFORMING LEARNING	Pawan Kumar Asstt.Prof.(Commerce)	
03	5 FACTS ABOUT INDIA'S E-COMMERCE MARKET	Riya Sharma	21COM39
04	BEAUTY OF NATURE	Khushbu Sharma	23COM18
05	CONSUMER BEHAVIOUR ANALYSIS	Mehak Sharma	23COM8
06	DIGITAL MARKETING	Bandna Kumari	23COM12
07	ENTREPRENEURSHIP	Manisha Sharma	21 COM 32
08	FOREIGN DIRECT INVESTMENT (FDI) IN INDIA	Shabnam Bharti	21COM12
09	HISTORY OF TRADE AND COMMERCE IN INDIA	Adarsh	23COM23
10	WHAT IS PAN	Rishi Sharma	23COM04
11	रोजगार सृजन एक चुनौती	Tamanna Chaudhary	23COM11
12	मेक इन इंडिया	Abhishek	21COM04
13	G.S.T(Goods and Services Tax)	Siya Kumari	23COM09
14	TOURISM	Dikshita	21COM07
15	वाणिज्य और इसका महत्व	कशिश ठाकुर	23 com 5

EDITORIAL

Dear Reader,

It is a great pleasure to bring forth the edition of "Taarika" for the session 2023-24 of Govt.college Bhoranj. I feel proud to present the 2023-24 edition of the annual college magazine "Taarika". Each article in this section is provoking, interesting and entertaining. The creativity of students shows self-expression, freedom, enthusiasm of our year's work for the annual magazine **Taarika** which is an amalgamation of the year long work of talented souls along with, the blend of unique taste by everyone who has contributed to this magazine.

There is no "I" in a team, it is only "we" and the focus is on the common goal or purpose. I express my gratitude to our beloved principal sir Dr. Vijay Thakur and Prof. Nikhil Kumar for their enduring faith in me. I hope that all enjoy reading it as much as we enjoyed compiling it. I hope this venture of ours will find a special place in the hearts of the readers. Wishing everyone success and a synergetic life.

"Happy Reading and Viewing"

Thank you

Name-Riya Sharma
Class- B.Com 2nd year
ROLL NO -21COM 39

TRANSFORMING LEARNING

With the arrival of National Education Policy (NEP)2020, there has been a vital shift in the Indian education system aligned with the aspirational goals of the 21st century. The policy envisages a complete overhaul of teaching learning process from the traditional teacher-centred to learner-centric approach; to ensure the holistic development of students by accentuating their creative potential. The policy stresses on the core principles that education must develop not only the cognitive skills-both 'foundational skill' of literacy and numeracy, and 'higher order' skills such as critical thinking and problem solving, but also social and emotional skills also referred to as 'soft skills' including cultural awareness and empathy, perseverance and grit, teamwork, leadership, communication etc.

NEP 2020 emphasis on universalization of school education and maximizing enrollment. There is a special focus on Early Childhood Care and Education (ECCE). Foundational learning accounts for children's ability to read and meaningfully comprehend, as well as use basic mathematical operations in real life. With this aim, NIPUN Bharat Mission has been launched to create an enabling environment for every child, to achieve the desired learning competencies in reading, writing, and numeracy at the end of Grade III in the next five years.

Visualizing assessment as an ongoing process that is instrumental in understanding how students think and learn, NEP 2020 has put in place certain fundamental reforms in the purpose, design, and implementation of students' assessment. It also suggests redesigning of Board examinations to make them more valid, reduce academic stress and pressure, and de-emphasis coaching culture.

There is significant impetus on capacity building of students, teachers, and institutions. Being multidisciplinary, institutions will restructure the pedagogy, permitting the scope of choices of subjects to students. It is also expected that affiliated colleges will gradually phase out, giving way to multidisciplinary universities and colleges by 2035. Certainly, everyone recognizes key role teacher play. NEP recommends that teachers given continuous opportunities for self improvement and to learn the latest innovations and advances in their profession. Accordingly, scope of teacher education has also been revamped in line with current trends, including its structure, and governance.

Ensuring equitable and inclusive quality education for all, the policy reaffirms the commitment of bridging up the social category gap in access, participation, and learning outcomes at all levels of education. The policy considers equity as an inclusive notion focusing on Socio-Economically Disadvantaged Groups (SEDGs) and areas.

The policy is both global and local in its outlook and intent. It makes a significant headway from earlier policies by putting quality education as the topmost agenda, strengthening the foundations of education, catering to the educational needs of the most disadvantaged, and making India a global leader in education. This issue intends to be a part of comprehensive discussion about vision and purpose of NEP, and its increased relevance in post-pandemic world. We hope the insights from subject experts and stakeholders will broaden the understanding of our readers about the transformative scope of NEP 2020.

Pawan Kumar
Assistant Professor (Commerce)

5 FACTS ABOUT INDIA'S E-COMMERCE MARKET

➤ **50% of Indians are below 25 years old: -**

You read that right, half of the 1.39 billion populations in India is below the age of 25! What's even more surprising is that 65% of the population is below 35. This is why India has such a huge demand for electronics like.

Smartphone, laptops and PCs. That being said, the older population contribute to the demand as well but it's relatively lesser.

What does this mean for your business? It means that now is a great opportunity to enter the market that has such a young audience and set up an online store in the niche that best suits you.

➤ **The average internet user in India spends over 3 hours on social media every day: -**

With half of the population being around 25 years old, it's no wonder that the social media scene in India is thriving Face book, Instagram, Twitter, Snapchat and all those big social media apps have a huge influx of logins from India which makes a social media a great tool to reach the masses identified this potential of social media in the context of India and are often seen posting eye catching up dates with creative hash tags which works to their advantage when their post goes viral.

➤ **The electronics and media segment grew by 32.1% in 2020: -**

Media dominates our world today, while electronic gadgets and gizmos have made it seem like its spinning faster on its axis. A lot is going on in the world of electronics and everyone is trying to catch up with the latest technology. While tech giants like Apple, Microsoft and – Samsung keep rocking the market with their tech break thoughts in products like mobiles, laptops and televisions, consumers queue themselves to preorder the next best product in the market.

➤ **India is the 3rd largest Smartphone manufacture: -**

India has been manufacturing smart phones at a very fast pace. Interestingly, the country accounted for 16% of total mobile phone. Shipments, making it one of the top 3 smart phone markets globally after china and America. A recent survey also found that mobile phone is the most popular product in India, contributing 31% of total revenue in 2020. These facts only highlight the demand for smartphone and how big the market is which can make it ideal for your business if that's your niche.

➤ **A quarter of online consumers spend 11% of their monthly salary on online shopping: -**

In the past few years, we've seen how the e-commerce landscape of India has transformed. Online shopping has evolved into a way of shopping that's for more convenient than traditional ways which instantly makes it more popular. The demand for online goods is huge and increasing, if you're an online business, entrepreneur or have a webshop/online store and want to grow your business, India is the perfect e-commerce market for your online business and the best part is that you don't need a lot of experience to get into the market.

Name-Riya Sharma
Class-B.Com 2nd yr
Roll No- 21COM39

BEAUTY OF NATURE

Anything that we feel around us is nature. The moon, the stars, Snow - capped hills, rivers, lakes and building flowers are the objects of natures. The sight of these majestic and charming objects gives us a thrill of joy. They give solace, comfort to our mind.

Nature is beautiful everywhere. The sunrise presents the loveliest scene. Dewdrops on green grass look like pearls – flowers fruit trees bathed in the rays of sun look bright and beautiful. The chirping of birds in trees has music of its own. The starry night look like a blue sheet studded with jewels. The moon has a soothing effect.

The blowing of winds, the floating of clouds, the rainbow, the waterfalls. All remind us of the greatest artist God. It is a precious gift to all of us living on earth.

Khushbu Sharma
B. Com 1st Year
Roll No – 23COM18

CONSUMER BEHAVIOUR ANALYSIS

Consumer behaviour analysis is the study of how people make purchase decisions with regard to a product service or organisation studying consumer behaviour would allow you to answer several questions such as: -

- ❖ How consumers feel about alternatives to their preferred brands.
- ❖ How consumers behave while shopping.
- ❖ How consumer behaviour is swayed by their surrounding environment.

- ❖ How marketing campaigns can be improved to more effectively influence customer behaviour.

Let's take a look at the factors that effect consumer behaviour: -

- (i) **Psychological:** - This is considered to be most important factor that affects consumer behaviour. Traits like perception, motivation, personality attitude are important to decide why a consumer would buy a product.
- (ii) **Personal:** - This is applicable to individuals and may not relate to other people in a group. These factors can include age, occupation, financial situation and lifestyle.
- (iii) **Social:** - Social characteristics play an important role in consumer behaviour, and it can include family communities and social interaction.
- (iv) **Geographical:** - The location of consumers also plays a role in how they purchase products. For example, a person living in warmer weather would be less likely to purchase winter. Clothing compared to someone living in temperate climates.

The true business of every company is to make and keep customers.

Mehak Sharma
B. Com 1st Year
Roll No – 23COM8

DIGITAL MARKETING

So, what is Digital Marketing? Is it selling up of good and rendering survive only? or is it marketing up of only digital items? Is it safe for the customers? Yes, here is an answer to all of your questions! Digital marketing has a very wide scope starting with promotion of different brands, products through advertisements, pamphlets, shorts clips and many more. Today's youngsters are too lazy to go out and have shopping of products and asking to render services, digital marketing have provided a scope to all those problems. All you have to know is to work online, choose among varieties of brands the thing which is best suited to you. Digital marketing is a combo of two skills Digital platforms + Marketing science. One has to be excelling in both to be expertise in it.

From competitive advantages point of view by using internet platforms, businesses can create competition advantages point of view, through various means. Through this a business can create a system in which they are able to pinpoint behavioural patterns of clients and feedback on their needs.

If we talk about today's time when, there are number of institutes over world and India which provide knowledge about digital marketing. Digital marketing has not only made work easy of customers but it has provided employment to various peoples it is exploring day by day and plans to lead all over the globe. The first objective is customer satisfaction and then earning of profit.

If we talk about today's safe zone of customers, we have cash on delivery option use for debit or credit card per the convenience and we have on delivery option use for debit a separate department to look after the grievances and complain of customers to look after it.

Digital Marketing is not free not cost effective either, it is more productive, it is a two-way communication.

Bandna Kumari
BCom 1st Year
Roll No – 23COM12

ENTREPRENEURSHIP

Entrepreneurship is the act of creating a business or business while bearing all the risks with the hope of making a profit. The more modern entrepreneurship definition is also transforming the world by solving big problems like bringing about social change or creating an innovative. Product that challenges the status of we live our lives on a daily basis. Entrepreneurship is what people do to take their career into their hands and lead it in the direction they want. It's about building a life on your own terms. No bosses, no restricting schedules and no one holding you back. Entrepreneurs are able to take the first step into making the world a better place – for everyone in it, including themselves.

IMPORTANCE OF ENTREPRENEURSHIP: -

- **Entrepreneurship create jobs:** without entrepreneurship, jobs wouldn't exist. Entrepreneurship take on the risk of employing themselves. As their business continuous to grow, even more jobs are created.
- **Entrepreneurs create change:** Entrepreneurs dream big – many aim to make the world better with their products, ideas, or business. So naturally, some of their ideas will make a worldwide change, they might create a new product that solves a burning problems or takes on the challenge of exploring something never explored before.
- **Entrepreneurs Add to national income:**
Entrepreneurship generates new wealth in an economy. New ideas and

improved products or services from entrepreneurs allow for the growth of new markets and new wealth.

Name-Manisha Sharma
Class- B.Com.3rd year
Roll No: - 21 COM 32

FOREIGN DIRECT INVESTMENT (FDI) IN INDIA

Foreign direct Investment (FDI) in India is a major monetary source for economic development of India. These changes were incorporated in the Consolidated FDI Policy released on 28 October 2020. It also launched Make in India initiative in September 2014 under which FDI Policy for 25 sectors was liberalized further.

Foreign investment promotion board (FIPB) which was the responsible agency to oversee this route was abolished on May 24, 2017. Foreign investment more than 90,000 Crore (US\$13) billion is expected in these projects so far. The Government of India amended FDI Policy to increase FDI inflows. Automatic route in FDI is allowed without prior approval by Government of Reserve Bank of India. The Application needs to be made through foreign investment facilitation portal which will facilitate single window clearance of FDI application under approval route. Foreign Companies invest directly in fast growing private Indian businesses to take benefits of cheaper wages and changing business environment of India. Liberalization started India to in wake of the 1991 economic Crisis since FDI has steadily increased in India which subsequently generated more than one crore jobs.

On 17 April 2020 India changed its foreign direct investment (FDI) Policy of protect India companies from opportunistic take overs of India companies due to the current COVID – 19 pandemics from according to the department for promotion of industry and internal trade. While the new FDI policy does not restrict markets, the policy ensures that all FDI will now undergo scrutiny of the ministry of commerce and industry.

Types of Foreign Direct Investment: There are mainly two types of FDI Horizontal and Vertical.

However, two other types emerged in FDI have emerged Conglomerate and platform FDI. **Horizontal FDI:** Under this type of FDI a business expands its inland operation to country. The business undertakes the same activities but in Foreign Country in Vertical FDI Case a business expands into another country by moving to a different level of supply chain. Thus, business undertakes different activities overseas but these activities are related to main business **Conglomerate FDI:** Under type of conglomerate FDI a business undertake unrelated business activities in a foreign 10 countries. This

type is uncommon as it involves the difficulty of Pene training a new country and an entirely new market. Platform FDI. Here a business expands into another country but the output from the business is than exported to the third country.

The Government of India has amended FDI policy it increases FDI inflow. India was ranking 15th in the world in 2013 in terms of FDI inflow is rose up to 9th position in 2014 while in 2015 India become top destination for Foreign Direct Investment (FDI).

Shabnam Bharti
B. Com 2nd Year
Roll No -21COM12

HISTORY OF TRADE AND COMMERCE IN INDIA

The importance of trade and commerce in the development of a nation is second to none. It can also be emphasised that the evaluation of a business in a country largely depends upon its geography and the surroundings. India is blessed to have Himalayas in the north and bordered by sea on the south. The present of sea has helped in the spreading of business across the continents.

During the ancient times India was the leading exporter of silk cotton, sugar, precious stoner India was also the exporter of spices to the west this was done through the spice route. All these times were exported in an exchange for gold and silver from other nation.

The prosperity of Indian trade took a backseat with the starting of the industrial revolution in the west.

The following are some of the factors that helped India become the most Favoured nation for trade and commerce.

Adarsh
B. Com 1st Year
Roll No-23COM23

WHAT IS PAN

The Permanent Account Number (PAN) is a ten-digit alpha numeric number issued in the form of a laminated pvc card by art assessing office of the Income Tax Department. A Typical is AFRPP15950 or AAMPT2421F.

Why it is necessary to have PAN: -

It is mandatory to quote PAN or return of all correspondence with any income tax department. It is also compulsory to quote PAN in all documents pertaining to economic or financial transaction sale and purchase of immovable property or motor vehicle or payment to hotels for bills or payment in cash in connection with travel to

foreign country to mention PAN for obtaining a telephone connection. All existing assesses or tax payers or person who are required to furnish return of income even on behalf of other must obtain PAN obtaining or processing more than one PAN is against the law.

How to obtain PAN: -

Application for PAN should be made is prescribed from and submitted in any of the IT PAN service centre set up and managed by UTI across the country.

Rishi Sharma
B. Com 1st Year
Roll No- 23COM04

रोजगार सृजन एक चुनौती

भारत में बेरोजगारी देश में व्यापक रूप से फैली हुई है तथा समय के साथ साथ निरंतर बेरोजगारी की समस्या विगडती जा रही है। आने वाले समय में बेरोजगारी और अधिक बढ़तर होने का भय है। बेरोजगारी एक अभिशाप है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए यह निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है एक व्यक्ति को रोजगार तब माना जाता है जब वह प्रचलित मजदूरी की दूर पर काम करने के लिए तैयार होता है पंख उसे कही भी काम नहीं मिलता कुछ लोग अपनी स्वेच्छा से बेरोजगार रहते हैं वे भीक्षा मांग कर अपने जीवन को प्राथमिकता देता है। भारत के गावों में 80% से भी अधिक श्रमिक कृषि के कार्यों में लगे हुए हैं गैर कृषि क्षेत्र में लगे हुए अधिकतर ग्रामीण श्रमिक घरेलू उद्योगों लोहार, बढ़ई विभिन्न प्रकार की सेवाओं में लगे हुए हैं। बेरोजगार एक सामाजिक धमकी है जो सामाजिक न्याय को झुठलाती है। भारत जैसे देश में बेरोजगारी की समस्या को हल करने के पूंजी निर्माण की दूर को बढ़ाना चाहिए। आइए जाने बेरोजगारी कहते किसे है और यह कितने प्रकार की होती है खुली बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें श्रमिक काम करने के लिए तैयार होता है। पंख उसे काम नहीं मिलता हैं इस प्रकार की बेरोजगारी खेतीहर मजदूरों में शिक्षित व्यक्तियों में तथा उन लोगों में पाई जाती है जो गांवों ऐसे से शहरों में काम करने के लिए आते हैं। मौसमी बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में तथा कृषि पर आधारित उद्योगों में मौसमी बेरोजगारी काफी सीमा तक पाई जाती है अदृश्य बेरोजगारी जिसमें किसी कार्य को करने के लिए जितने श्रमिकों की आवश्यकता होती है उससे अधिक श्रमिक काम पर लगे हुए होते हैं। बेरोजगारी की इस समस्या को फल करने के लिए अनेक प्रकार के कदम उठाए उन्होंने स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई गई इन सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परिश्रमिक वाले रोजगार के सृजन से लोगों की आजीविका सुरक्षा में वृद्धि करना है। जिससे लोगों को रोजगार मिल सके और अपने परिवार को निर्वाह कर सके।

मेक इन इंडिमेक इन इंडियाया पहल

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया मेक इन इंडिया अभियान एक नयी योजना है जिसके तहत विदेशों के कई निवेशकों को भारत में विभिन्न व्यवसायों में पैसा लगाने के लिये एक अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में बने हुए उत्पादों के लिये राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर घरेलू कंपनियों के साथ ही बहुदेशीय कंपनियों को प्रसन्न करने के लिये भारतीय सरकार द्वारा ये एक शुरुआती अभियान चलाया जा रहा है। नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में 25 सितंबर 2014 को मेक इन इंडिया अभियान की शुरुवात बढ़ाने के साथ ही एक प्रभावशाली लक्ष्य की ओर भारत को मुख्य भूमिका निभाने के लिये इस अभियान को चलाया गया। ये देश के युवाओं के लिये रोजगार का एक सफल रास्ता उपलब्ध कराता है जो निश्चित ही भारत में गरीबी के सत्तर को घटाने और दूसरे सामाजिक गद्य को हल करने में सहायता करेगा।

इस अभियान को शुरू करने का उद्देश्य भारत को विश्व स्तर पर उत्पादन का पावर हाऊस बनाना है जो अर्थव्यवस्था के बड़े मुद्दों का समाधान करने में जरूर मदद करेगी। मुकेश अंबानी (रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष) अजीम प्रेमजी विष्णु के अध्यक्ष आदि सुहित भारत के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ विदेशी निवेशकों नयी दिल्ली में सफलता पूर्वक के लिये नये समझौते के साथ इस पहल की शुरुआत हुई।

मेक इन इंडिया अभियान सभी मुख्य निवेशकों को लाभ - दायक अवसर उपलब्ध कराता है। कि आप भारत भारत आये और उपग्रह से पनडुब्बी ऑटोमोबाईल से कृषि विद्युत से इलेक्ट्रॉनिक आदि किसी भी व्यवसाय में निवेश करें। नयी दिल्ली के विज्ञान प्रवन में मुकेश अंबानी, कुमार मंगलम् विरला, साईरस मिस्त्री अजीम प्रेमजी आदि शिखर के उद्योगपतियों की मौजूदगी में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये मेक इन इंडिया योजना के संदर्भ में पीएम ने एक घोषणा की।

Abhishek
B.Com 3rd
Roll No. 21COM04

G.S.T (Goods and Services Tax)

वस्तु एवं सेवा कर या जी एस टी भारत सरकार की नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था है जो 1 जुलाई 2017 से लागू हो रही है। लेकिन जी एस टी क्या है और यह वर्तमान टैक्स संरचना को कैसे सुधार देगा ? इससे भी महत्वपूर्ण सवाल यह है कि भारत को एक नए टैक्स सिस्टम की आवश्यकता क्यों है ? हम इन सवालों के जबाब इस विस्तृत लेख में करेंगे।

जी एस टी गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स है। भारत में जी एस टी लागू करने का इरादा व्यापार के लिए अनुपालन को आसान बनाना था। इस लेख में जी एस टी, उसकी प्रमुख अवधारणाओं और जहाँ यह वर्तमान में है, उसका पूरा अवलोकन दिया गया है।

जी एस टी क्या है?

वस्तु एवं सेवा कर या जी एस टी एक व्यापक बहु स्तरीय, गंतव्य - आधारित कर है जो प्रत्येक मुख्य में जोड़ - पर लगाया जाएगा। इसे समझने के लिए, हमें इस परिभाषा के तहत शब्दों को समझना होगा। आइए हम 'बहु- स्तरीय' शब्द के साथ शुरू करें। कोई भी वस्तु निर्माण से लेकर अंतिम उपभोग तक कई चरणों के माध्यम से गुजरता है। पहला चरण है कच्चे माल की खरीद। दूसरा चरण उत्पादन या निर्माण होता है। फिर, सामग्रियों के भंडारण या वेहाउस में डालने की व्यवस्था है। इसके बाद, उत्पाद रीट लर या फुटकर विक्रेता के पास आता है।

और अंतिम चरण में, रिटेलर आपको या अंतिम उपभोगता को अंतिम माल बेचता है।

जी. एस. टी के प्रकार : जी एस टी के चार प्रकार हैं।

1 एस जी एस टी

2 सीजीएस टी

3 आईजीएसटी

4 यूटीजीएसटी

१. एसजीएसटी :- एसजीएसटी राज्य

एसजीएसटी राज्य सरकार द्वारा कलेक्ट किया जाता है। इसकी रेटिंग 0%-28% पूरे राज्यों में अलग-अलग होती है। इसे किसी राज्य के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की आंतरिक आपूर्ति पर लागू किया है।

2. सीजीएसटी : सीजीएसटी केन्द्र सरकार द्वारा कलेक्ट किया जाता है। इसकी रेटिंग 0% - 28% है। इसे किसी राज्य के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की आंतरिक आपूर्ति पर लागू किया है।

3 आईजीएसटी :- आईजीएसटी केन्द्र सरकार द्वारा कलेक्ट किया जाता है। इसकी रेटिंग 0% - 28% है। इसे विभिन्न राज्यों या केन्द्रशासित प्रदेशों के बीच या वस्तुओं और सेवाओं की अंतर-राज्य आपूर्ति पर लागू किया है।

4 यूटीसीएसटी :- यूटीसीएसटी संघ राज्य क्षेत्र सरकार द्वारा कलेक्ट किया जाता है। इसकी रेटिंग 0% – 28 % है। केंद्रशासित प्रदेश के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की आंतरिक आपूर्ति पर लागू किया है।

व्यापार की तरह जीवन में भी GST लागू कीजिए:

G = Good Thinking

S = Simple Living

T = Tension free Life

Siya Kumari
B.Com 1st yr
23COM09

TOURISM

Things have now started looking bright for the Indian tourism industry. However, the indian tourism industry has been hit by pollution. The effluents emitted by the Mathura Refinery have led to the edecolourization of the Taj Mahla in Agra. The condition of many of our monuments is deteriorating due to the negligence of the concerned authorities. On the other hand, beaches have become the dumping grounds of the garbage and waste left by the tourists. The natural environment and heritage sites remain a source of attraction as long as these are not damaged beyond control from their degradation or pollution.

Massive tourist traffic, unless regulated, creates these mal-effects. The tourist carrying capacity of a resort needs to be matched to minimise the inconveniences of local people during the period of tourist rush. Youths of the host area are also to be saved from cultural alienation by blindly imitating the lifestyle of foreigners during days of reckless massive tourism. Planning for adopting a sequence of steps like a survey of the existing position of services, facilities needed by tourists and measures for the development of healthy and sustainable tourism, has become a dire need. At the national level, an apex body has to take stock of the status and trends of tourism in comparison with neighbouring countries.

It will help appraise the future needs, the nature of various incentives for alluring tourists and the gaps to be removed for better provision as well as management of the infrastructure.

Name- Dikshita
Class- B.COM 3rd yr
Roll No- 21COM07

वाणिज्य और इसका महत्व

वाणिज्य:--Commerce जिसे हिंदी में वाणिज्य कहा जाता है। यह एक बड़ी संगठित प्रणाली होती है जिसमें कहीं सारे क्रिया, गतिविधियाँ, प्रक्रियाएँ होती हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी उत्पाद या सेवाओं की खरीदी और बिक्री के संबंधित होती हैं। वाणिज्य हमारे अर्थव्यवस्था प्रणाली में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को और व्यवसायों को अपने उत्पाद या सेवाएँ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाकर अच्छा मुनाफा कमाने में मदद करता है। Commerce व्यावसायिकों को उनके व्यवसाय को बढ़ा करने में और नए बाजार में नए बाज़ार में नए ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करता है।

वाणिज्य का महत्व :

हमारे देश के अर्थव्यवस्था में वृद्धि और विकास को संचालित नहीं करता बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी वाणिज्य बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

1) मानव की इच्छाओं को संतुष्ट करना: --- इंसान की चाहते कभी खत्म नहीं होती हैं लेकिन उन्हें कम किया जा सकता है। वाणिज्य ने ऐसा वितरण प्रणाली बनाई है जिससे दुनिया के किसी भी इंसान को किसी भी कोने की चीज या वस्तु आसानी से मिल सकती है, इस तरह से commerce ने इंसान के चाहत की संतुष्टी करने में मदद की है।

2) नौकरियाँ पैदा करना---: वाणिज्य जितना बढ़ा बनता जा रहा है उतने ही ज्यादा उसमें नौकरियों के अवसर बढ़ते जा रहे हैं। और यह ऐसा क्षेत्र है जो कभी रुकने वाला नहीं है कहीं सारे क्षेत्र हैं जिनमें कहीं सारी नौकरियों के अवसर उपलब्ध हैं। जैसे: - विपणन प्रबंधन, बिक्री, वित्त।

3) हमारे जीवन स्तर को बदलना: --- किसी भी समाज की जीवन जीने की गुणवत्ता वे कितना ज्यादा उत्पाद का इस्तेमाल और उपभोग करते हैं इससे की जाती है, वाणिज्य लोगों को विभिन्न और विस्तृत उत्पाद और सेवाओं को प्रदान करता है जिससे लोग ज्यादा आकर्षित होकर ज्यादा से ज्यादा उत्पाद का उपभोग करें।

" व्यापार मानव जीवन का एक अनिवार्य अंग है जो विकास और समृद्धि का मार्ग प्रदान करता है।"

नाम- कशिश ठाकुर

रोल नं - 23 com 5

कक्षा - B.com 1st



प्राध्यापक सम्पादिका
सहा० प्रो० सुनीता कुमारी



तारिका पहाड़ी अनुभाग



छात्र सम्पादक
विशाल कुमार

विषय

क्रम संख्या	विषय	लेखिका/ लेखक	रोल न०
1.	सम्पादकीय	विशाल कुमार	21 PS 18
2	माँ बाप रा प्यार	काजल	21 PS 12
3.	पहाड़ी कविता	ईशा शर्मा	21ECO01
4.	आसरी बोली पहाड़ी री पुकार	विशाखा	21 PS 18
5.	शायरियां	विशाल कुमार	21 PS 28
6.	नया जमाना	जतिन कुमार	21 PS 24
7.	जीणे रा साच	करीना कुमारी	22 PS 17
8.	छड़ हुण नी कमाना	कृतिका	21 HIS 41
9.	पहाड़ा रा जीणा	शालिनी	22 PS 09
10.	बड़ा ही महत्व	मानसी	21 HIS 16
11.	अजकला देयाँ मुँडुआँ दे हाल	नेहा	19 HIS 15
12.	पहाड़ी कविता - श्याणे	सिया	21 COM 39
13.	माँ बाप का प्यार	वर्षा	21 PS 13
14.	अंग्रेजिये दिते मेरे हड्ड पनाई	रिया शर्मा	21 COM 39

सम्पादकीय

पहले तां सारेयां जो मेरी नमस्ते । भोरंज कॉलेज री पत्रिका 'तारिका 2023-24' साला प्रकाशित होदी । कन्ने मैं ईसा पत्रिका च' पहाड़ी भाग जो सम्पादित करादा ,कि मिंजो ए मौका बड़ा प्यारा लगया मैं देख्या कि कोलेजा रे मुंडु –कुड़ियां बड़ी चढ़ी कने पहाड़ी च लेख लिखदे । पहाड़ी अपनी देवभूमि हिमाचल दी मुख्य भाषा ई । आजकल दा युग तां होई ग्या, जिसरे बीच सारेयां जो सब कुछ आना चाहिदा पहाड़ी भी बोलणी आनी चाएदी ।

इस पत्रिका च आसे अपने कोलेजा रे कुड़ियां ते मुंडुआं दे विचार सांझे कितरे असांदे कालेजा जो कई प्रकार दी सुविधा दिती री । ये गल अहां सरेयां लेई बड़ी खुशियां री । अंत च तुहांने गलाणा चौहंदा की भावनाओं री नदी कागजे पर उतरी ने पहाड़ बणी जाँदी है..... , जिन्ना-जिन्ना अपने विचार असां कने सांझे कित्ते, कन्ने तारिका पत्रिका रे पहाड़ी अनुभाग च चार चांद लगाईते ।

नाम : विशाल कुमार

कक्षा : बी.ए. तृतीयवर्ष

अनु. : 21 PS 18

माँ बाप रा प्यार

माँ बाप रा प्यार,
दुनिया रा अनमोल तोफा ,
मेरे खातिर तिन्हा रे बिना अधूरा ए संसार,
माँ रा आँचल कने बाप रा प्यार,
कदी तिन्हारी झिड़का, कने कदी तिन्हा रा दुलार,
माँ देन्दी मुश्किला ने लड़ने री शक्ति, बचपन बितया छावाँ च कने धुप पावे उस पार,
हर वक्त लगदा जिया गुलशन च बहार,
फिर जबानी च कठिनाइयें ने कित्या अहाँ पर वार,
लड़खड़ाए पैर मेरे पर संभली गए, मेरे ले था माँ बाप रा प्यार,
मैं यही फरियाद कर दी, ऐ भगवान किसी रे भी माँ बाप ना हो जुदा,
मां बाप हुँदे बच्चेयां री शक्ति,
कने मां बाप रे बिना अधूरी अहाँरी शक्ति,
सारेयां जो नी मिलदा मां बाप रा प्यार,
माँ बाप रा प्यार,
दुनिया रा अनमोल तोफा

नाम : काजल
कक्षा : बी. ए. तृतीयवर्ष
अनु. : 21 PS 12

पहाड़ी कविता

बदला अपनी सोच, कुड़ी कने मुन्हुए च
मत करा कोई भेद- भाव,
देया तिनाजो बराबरिया रा दर्जा,
ऊँदा जालू मुन्हु ता मनांदे
बड़िया खुशिया ,
कने हुंदी जालू कुड़ी ता मनांदे बड़ा दुख ।
अलग रूप ए, अलग रंग ए, जान दोना च इक जेइए,
फिरी क्यों अहा भेद- भाव दी खिचियों ए लकीर ए ।
पूछा तिनाजो जिना जो मिलदा नी बच्चे दा सुख,
इक बच्चे जो पाने दे वास्ते गवांदे से किने पैसे ।
कुड़ी मुन्हुए ने ही एसा सृष्टि दा चक्र ऐ चलदा कुसी इकी दे बिना ता ए जीवन बी रुकी जांदा ।
कर दियां कुड़िया अजकल मुंडुआ दी बराबरियां,
कोई चलादी टूका तां कोई उड़ादियां जहाजां ।
कुड़ियां दा ऐ क्या कसूर,
जेडी इसा दुनिया जो नी दिखी पांदी,
मुंडुए दी चाह च कन्या भ्रूणहत्या ए कराई जांदी ।
करदे असां सारे मिली के ऐ प्रण,
की भेदभाव उण कदी नी हुंगा शिक्षा कने अधिकार च दोना दा इक समान हक ऊंगा ।

नाम : विशाखा
कक्षा : बी. ए. तृतीयवर्ष
अनु. : 21ECO1

आसारी बोली पहाड़ी री पुकार

एडी क्या गुस्ताखी, क्या किती मैं बुराई ।
पढदे – लिखदे ता थे नी, बोलने गलाणे ते भी गवाई ।
एडी केडी खता हुई मेरे ते ओ, जे मेरे अपनेयां हे किती हाऊँ पराई ।

क्या सोच दे कने क्या ही गलांदे, ने कथी ते आई ।
हाऊँ तुसारी पहाड़ी, जो सारेया दिति भुलाई ।
कदे हिंदी बोलदे , कदे पंजाबी, फेरी अंग्रेजी री किती बड़ाई ।
ज्यादा पढ़ा लिखा लगणे खातिर , मेरे ते मुँह दित्या फिराई ।
बोली भाषा च तबदिली ता हुंदी आई,
पर आसे आपणी बोली रा अस्तित्व दित्या मुकाई,
बच्चेयां जो माँ बापुए, हिंदी ता अंग्रेजी है सिखाई,
एता पिछड़ी पुराणी ही, ए सोच केथी ते आई ।
भई एडा भी क्या हुआ, ए ध्याडा दित्या दिखाई,
पहाड़ा री संस्कृति री पहचान हे दिति मुकाई,
भोटी, किनौरी, कांगड़ी, चम्ब्याली, मुहास्वी, सिरमौरी कने मंडयाली, इना सारियाँ रा नां ही दित्या मुकाई ।
केसी भाषा ने मिन्जो बैर नी, हर भाषा छैल हुई ।
पर आपणी जो होरी ते छोटी समझना, केथी री रीत हुई,
अंग्रेजी गाणे मॉडर्निटी, ते भ्यागडे पुराणे हुए ।
पहाड़ी गलांदा गवार, ते अंग्रेजी री गाली मुहाँ री शोभा बढ़ाई ।
हर भाषा बोली सीखा पढा ते बोला, पर आपणी मता देंदे गवाई ।
हर बोली री अपणी अहमियत हुई, मेरे बगैर तुसारा भी क्या वजूद रहेगा ओ भाई ॥

नाम : विशाल कुमार
कक्षा : बी.ए. तृतीयवर्ष
अनु. : 21 PS 18

शायरियां

(1) की दिला री गल दिला इ च रईगी,
तिजो दसणे रा मौका नी मिलया,
देणा था पर, तेरे नापा रा कोका नी मिलया ।

(2) की मैं ख्वाबां री दीवार भरे बजारा
टूटी री देखिरी,
मैं अनजान बुलटा कने तेरी स्कूटी देखिरी ।

(3) की दसणे री गल नी पर दसणे देंगी ना,
प्यार बड़ा भरिया इक बार जताणे देंगी ना,

मैं ता उण हि तेरे घरे गल करी लूं,
पर तू हाँ ता करी देंगी ना।

(4) की दिला च जो राज छिपी रा दसुं कियाँ,
ओइ गरा प्यार तूने बताऊं कियाँ,
लोक बोलें मत लिख दिला पर नां,
पर तेरा नां दिला ते मिटाऊं कियाँ।

(5) तेरी कामयाबी पर तरीफ कने कोशीशा पर ताना होणा,
तेरे दुखा च कुछ ही लोग कने, सुखा च पूरा जमाना होणा।

(6) बड़ी मासूम कूडी इश्का री गल नी समझदी,
पता नी केड़े दिना च खोई रई मेरी रात नी समझदी,
अपु ता सामणे ते कुछ बोलणा निया, कने मेरे दिलारी गल नी समझदी।

नाम : जतिन कुमार
कक्षा : बी. ए. तृतीयवर्ष
अनु. : 21 PS 28

नया जमाना

अजकला रा समय कितना बदली गया।
हर चीज अजकल आनलाइन होई गयी।
रिश्ते बी आजकल आनलाइन होई गए।
इस आनलाइन रे जमाने च
अहाँरे पहाड़ी लोग अपनी पहाड़ी बोली जो
भी भूलणे लगी गए।
आजकल रा समय कितना कितना बदली गया।
अहाँरे गाँव भी बदली गए।
कने गाँव रा रहन सहन भी बदली गया।
हर चीज आजकल आनलाइन होई गई।
अपणे स्याणेया री करो सेवा,
जमाना नया हो या हो पुराणा।

नाम : करीना कुमारी

कक्षा : बी. ए. तृतीयवर्ष

अनु. : 21 PS 24

जीणे रा साच

ओ बंदया ना कर तेरी मेरी
इक दिन एडा आणा, ना होणी तेरी, ना होणी मेरी ।

आज लोकां ले लाखों दे मेल ए
पर काल्लि क्या होई जाणा, एतां किस्मत दे खेल ए ।

इक वक्त एडा आणा, लोकां ले सब कुछ होणा,
पर तिस वक्ता च, अप्पु खातर ही वक्त नी होणा ।

जिंदगी छोटी जेई, पता नी काल्ली कुसरी खत्म होई जाणी,
सारया ने प्यारा ने रैणा, नहि तां कुसी पाणी बीनी देणा ।

मै भी परमात्मे दी, तू भी परमात्मे दा, फिर क्या तेरी मेरी,
सब एथी ही रैणा, बस सारयां री बणी जाणी धूडा दी ठेरी ।

कुसी जो नेंदे कन्ध्या पर, कुसीजो देंदे दबाई,
तू दस बंदया , तैं कुसने कियाँ निभाई ।

ओ बंदया, ना कर तेरी मेरी
इक दिन एडा आणा, ना होणी तेरी, ना होणी मेरी ।

नाम : कृतिका

कक्षा : बी. ए. द्वितीयवर्ष

अनु. : 22 PS 17

" छड हुण नी कमाना "

बापुए कमाई के कोठी पाई
ऐश कर दे अनजान केई भाई
कहदे छड़ हुण नी कमाना
बापू साड़ा है सरकारी
हुकम मारना बौसां साही

सारी दुनिया पढ़ना पाई
कहदे चौल दाल मिली जांदे सस्ते
आई आर डी पी बीच दें नां लखाई
अनजान कजो जोड़दा तूं
पाई पाई तूं भी उठ
राजनीति लें हथ आजमाई
रौब ठाठ बाठ एथूं पूरे
पंजा सालां बाद पेंशन पाई
छड हुण नी कमाना
तुपा सेकनी मंजा डाना
नैक सलाह तुहाडे तई
अनजान करें पर तुसां मत करदे मेरे पाई ।

नाम : शालिनी
कक्षा : बी. ए. तृतीयवर्ष
अनु. : 21 HIS 41

"पहाड़ा रा जीणा "

तुसां दा शहर असां छड़ी के आई गए,
आज बी असां जो बड़ी याद आऊंदी,
पहले पहाड़ा च बड़ी ठंड हुआं थी,
हुण एथि घने घने जंगल हुआं थे,
पेड़ कटी के लोके बंजर कीतियां जमीना,
बर्फा री चादर अंगना च आऊं दी थी,
हुण पौष लँगा लगा जेडा , जेठा रा महीना ।
पहिले बड़े परिवार मिली – जुली कने रहें थे,
हुण करदे सब बखरा बसेरा
भटके राही जो कोई राह नहीं दस्दे,
उलझी रा जीवन सभणी रा घनेरा ।
पैदल अमां सौगी नानू रे घरा जांथे,
हुण गडियाँ मोटरां री होई गयी भरमार
आना-जाना रिश्तेदारी घट होई गई,
फौना च पुछदे अज सारे समाचार ।

उना रे कोटा रा बड़ा था रवाज,
ताई पालदे थे भेडां कने खाड़
दूरा ते बेटियां आंदी थी घरा पेउकी रे
मिलदे थे सारे साड़ ते साड़ ।
पुरानी फसलां, पुराणी गलां, पुराने माणु, खरा था, पुराना रिवाज,
अज कोई एथा जो ओंदा , कोई ओथा जो,
सबीरी अपनी डफली अपना राग ।

नाम : मानसी
कक्षा : बी. ए. द्वितीयवर्ष
अनु. : 22 PS 09

बड़ा ही महत्व

कॉलेज च प्रिंसिपल दा, कार्यालय च क्लर्क दा,
क्लास च अध्यापक दा ,बड़ा ही महत्व है।
कैमिस्ट्री च रिएक्शना दा, हिसावे च सुत्र दा,
फिजिक्सा च परियोगा दा,बड़ा ही महत्व है।
पुलसा च डंडे दा, राजनीति च हाथकड़े दा,
हफ्ते च संडे दा ,बड़ा ही महत्व है।
तुड़के च कड़छी दा, गर्मियां च ठंडे दा
कमेटी या च फंडे दा ,बड़ा ही महत्व है।

नाम : नेहा कुमारी
कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
अनु. : 21 HIS 16

अजकलां देयां मुंडुआं आँदे हाल

अजकलां देयां मुंडु आँ रे एडे हाल,
खादिरा पान तां होंठ किती रे लाल,
बड़ी पाई रखा एँ जीन्स तां कमीज,
ग्लाणे री नी हुंदी जरा भी तमीज ।

घरा ते आंदे काँलेजा जो पढाई करने,
पर कालेजा पूजी ने लगी जाँ लड़ाई करने ।
सारा दिन मारा एं गप्पां तां करा एं नन्द,
घरा मां- बाप री बोलती कीति रि बन्द ।
कुड़ियाँ पीछे बणी रे मजनू तां रांजे,
तान्जे कुड़ियाँ मार दी जुते तां सिर हुई जांदे गंजे ।
ताली जे सर पुछा एं ,कितने हुँदे वचन,
तां बोलाएं एकवचन, द्विवचन कने अमिताभ बच्चन।
सारा साल बणी रेंदे उस्ताद तान्जे पेपर औंदे तां औंदे दादू- बापू याद ।
तालि सोचाएं जे मनी री हुंदी बापु ए री गल्लां,
तां अज कजो औंदी ए मुश्कल ।
तूहे भी दिखारे मुंडुआँ रे हाल चाल,
अजकलां रे मुंडुआँ रे ऐडे हाल ।

नाम : मनीषा ठाकुर
कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
अनु. : 19 HIS 15

पहाड़ी कविता-श्याणे

पाइयाँ पक्कियाँ कोठियां,
टाई ते घर पुराणे,
बड़िया मुशकिलां कने मिलदे,
घरां बिच श्याणे ।
जिंदया दी नी करनी कदर,
मुयां दी मनानी बरसी,
सुधरी जाओ ओ लोकों तुसां,
नई तां मरना तर्सी- तर्सी ।
संस्कार कुतु ते मिलने,
जे श्याणेयां कने बोणा नी,
कुछ लोक तां इयाँ फणसोंदे,
जिनां तीना तां कदी बूढ़यां ओणा नीं ।
मुइयाँ जो रोणा जोरे -जोरे,

जिंदया दा नी पुछणा आल,
न्याणया जेडा दिखणा,
सैही सिखणा,
फेरी क्या तुआड़ा ख्याल ।
जिंदया जोनी पुछणा पाणी,
मुण्यां रे करने श्राद,
पैले फसलां दिती उजाड़ी,
फेरी ओथि पाई देनी खाद,
मित्रों श्याणे दा गलाया,
कने आम्बले रा स्वाद,
कीमत लगदी पता,
उना दे मरने ते बाद ।
संस्कार कने रीति -रिवाज ,
इसा विरासत दी करनी सम्भाल,
अपने मुआं च चंडा नी मारि दीयां,
दूजे दे मुं दिखी के लाल
पाइयां पक्कियाँ कोठियां,
टाई ते घर पुराणे,
बड़िया मुशकिलां कने मिलदे,
घरां बिच श्याणे ।

नाम : रिया शर्मा
कक्षा : बी. ए. द्वितीय वर्ष
अनु. : 21 COM 39

पहाड़ो रा जीणा

पहाड़ा रा नजारा नोखा,
पहाड़ो रा माणु बाँका,
देश दुनिया घुमो
हटे फिरो सबी पहाड़ ही लुबाइंदे

ऊँचे देवदार शोवले
कैसी बांके सी चील कई जगै बुरांश उगदे
ऊँची टिम्बी दे देव- देवी वसदे,
तिनोरे सहारे सबीरे काज बणदे,
साजी त्यारो रे दैडे, से पूजे जांदे,
जेबे औंदी फसल नई,
सबी ते पेले मंदरा दे चढ़ाई जान्दी,
ताई सुख समृधि हारे औंदी ।
पहाड़ो रा जीवन शोबटा,
नी औंदा कनी चीजों रा जोटा ।
तीज- त्यारो री का लाणी गल,
सब जणे मिले जुली ए मनाउंदे,
जैबे करी ली बात पनावे री
धाठू, रेजटा, सदरी,
लोईयाँ किनौरी कुल्लवी टोपी,
सबी दी सजदी ।
पहाड़ो रे सेबो रा ता कहणा का,
से तो देश विदेशों च बिकदे ।
सिडकु, खोबडू, पटांडे,
पहाड़ो रा खाणा- पाण,
दैडी, बिशु, देवगण,
बांठडा री औंदी ए शान ।
पहाड़ो रा हिम सबी जो लूबान्दा,
पाणी री कमी ओणे नी देंदा,
पहाड़ो रा नोखान जारा,
पहाड़ो रा माणु बांका ।

नाम : रिशु देवी
कक्षा: बी. ए. तृतीय वर्ष
अनु. : 21 PS 13

अंग्रेजिए दिते मेरे हड्ड पनाई

ईक बरी मुकेश अंग्रेजा ने गला दा पाई मिंजो अंग्रेजी सिखाई दे ता सै अंग्रेजी सिखने लगी पौंदा ता सै अंग्रेज मुकेश जो बोलदा पाई तू अज यस सर ही बोलना ता सै मुकेश यस सर बोलदा चली पौंदा। अगे चलदे – चलदे तिस जो इक दुधे वाला मिलदा सै बोलदा दुध पीना ता मुकेश बोलदा यस सर! फिरी मिठाईयां आला मिलदा, सै मुकेश जो बोलदा पेई मिठाई खानी ता मुकेश बोलदा यस सर। फिरी मुकेश जो इक पुलाण मिलदा। सै बोलदा पाई मुक्का खाणा, मुकेश बोलदा यस सर! ऐ सुनी करी पुलाण मुकेश जो बड़ा पारी कुटदा। दूजे दिन अंग्रेज मुकेश जो बोलदा। हुन आज तू नो सर नो सर बोलदा जायां। मुकेश वी चली पैदा नो सर, नो सर करदा। अगे चलदे – चलदे तिस जो मिठाईयां आला मिलदा से बोलदा बच्चा मिठाई खाणी? मुकेश बोलदा नो सर। कने तिसदे बाद मुकेश जो फिर सेई पुलाण मिली जादा। सै पुलाण बोलदा, ओर पाई मुकेश कल दे मुक्के रा असर होया या नी? मुकेश बोलदा, नो सर। ऐ सुनी करी सै पुलाण आज फिरी मुकेश जो खूब कुटदा। तीजे दिन अंग्रेज मुकेश जो बोलदा पेई तू अज वेरी गुड बोलदा जाया। ता मुकेश इयां इ बोलदा जादा। गां मुकेश जो फिरी सैई दुई दिना आला पुलाण मिली जादा। सेह पुलाण मुकेश जो बोलदा आज मेरा पाऊ मरी गया। ता मुकेश झट करी गलां दा वैरी गुड। पुलाणा जो ऐ सुनी के गुस्सा आदा कने से तिसजो बड़ा पारी कुटदा। अगले दिन मुकेश अंग्रेजा बला जो जांदा। कने बोलदा हूण नी सीखनी अंग्रेजी। मेरे अंग्रेज पाई इनी अंग्रेजीएं ता दिते मेरे हड्ड पनाई।

नाम : रिया शर्मा

कक्षा : बी. काम. द्वितीय वर्ष

अनु. : 21 COM 39



**Staff Editor
Prof. Annu Parmar**



TAARIKA COMPUTER SECTION



**Student Editor
Vikas Rana**

INDEX

S.NO	TITLE	NAME	ROLL NO
1	EDITORIAL	Vikash Rana	21035
2	Computer Virus	Vikash Rana	21035
3	Difference Between human being and computer	Diya	21039
4	ROLE OF COMPUTER IN OUR LIFE	Tarun Kattna	21006
5	INTRODUCTION TO THE COMPUTER APPLICATIONS	Rahul Manhas	21019
6	VIRUS ALERT	Dipika	21021
7	ROLE OF COMMUNICATION	Sourav Kumar	21014
8	CHARLES BABBAGE	Ankita	22040
9	INTERNET NETWORKING AND CONNECTIVITY	Madan	22045
10	ARTIFICIAL INTELLIGENCE	Virender	21015

EDITORIAL

Dear Readers,

I am proud to say that this Annual College Magazine is an outcome of hard work of credential people to bring out this magazine.

I am happy as an editor of our college magazine 'Taarika' with the help of the magazine, students can express their thoughts and views. I believe that readers will read the magazine and learn something from it. As an editor I am happy and thanks management to have faith on me. At last I wanted to say that we provide a good, knowledgeable stuff for the readers. With the help of magazine, I am thankful to all students and my department head Prof. Annu Parmar who gave me this opportunity and shown belief on me.

Student Editor

Vikash Rana
BCA 6th sem.

COMPUTER VIRUS

A program or script that is loaded and executed on a computer without the knowledge of the user. A typical computer virus is a very small program, several kilobytes or less in size, constructed in matter of hours or days. When it is executed, the virus may generate undesirable results and may negatively affect the behaviour of computer. Virus also known as malicious or malware programs, that can create, move, erase, consume a computer's memory, capture information, slowdown a computer and replicate and send deceitful e-mail messages to others computers. (A virus can not only harm the system on which it is saved and executed, but can also attach itself to another program and spread to other computers automatically).

Worst Computer Viruses in History: -Computer viruses are damaging and costly plague on our internet connected world. More than 3, 50,000 new pieces of malware are discovered every day, with an annual cost of over 55 billion dollars (40, 00, 00,00

00, 000 Indian currency). But one virus named- the mydoom virus in 2004 leads the pack with 38 billion dollars (around 28,00,00,00,00,00 Indian currency) in damages, and its installation adjusted cost is actually 52 billion dollars, it's also known as novarg. This malware is technically a "Worm" spread by mass e-mailing. At one point, the mydoom virus was responsible for 25% of all emails sent. Some other worst viruses named- Sobig, Kleg, I LOVE YOU (Spread to more than 10 million PCs), Wanna-Cry, Zeus, Code Red, Slammer, GYPTOLCKER

How to protect PC from viruses: -?

i) Use an Anti-malware app = Installing an anti-malware app and keeping it up to date can help your PC against viruses and other malware (virus) (Having too much apps is not always better) Running multiple anti-virus apps at same time can cause your system to be slow and unstable.

ii) Use a pop-up blocker with your internet browser pop-up windows are small browser windows that appear on top of the website you are viewing. Most are created by advertisers; they can also contain virus or unsafe code. A pop-up blocker can prevent some or all of these windows from appearing.

iii) Use your internet browser's privacy settings - some websites might try to use your personal info targeted advertising, fraud and identity theft all modern browsers have privacy settings that you can enable to control what sites can see or do.

iv) Don't open email messages from unfamiliar senders or email attachments that you don't recognize, many viruses are attached to email messages and will spread as soon as you open the attachment. It is best not to open any attachment unless it's something you are expecting.

v) Keep windows updated: - periodically, Microsoft releases special security updates that can help protect your pc. These updates can help prevent viruses and other malware attacks by closing possible security holes.

Name- Vikash Rana
Roll No. 21035

DIFFERENCE BETWEEN HUMAN BEING AND COMPUTER

Human Being and Computer both are different in many ways some of them are: -

- i) Human has a brain that helps us to think that leads to generate creativity and allows us to build decision making power whereas decision making doesn't exist in computers.
- ii) Human Brain is efficient speeds & it doesn't require any software to perform this task whereas it can't possible in computer without any additional software.
- iii) Human can think and express their emotions as per desire whereas computer system doesn't consist of desires& emotions it only follows the instructions given by user.
- iv) A computer is a machine that needs software to execute action & it also needs high speed for processing that works digitally it can implement much staff in same time where as human being doesn't require any software or processors to do so.
- v) A Human being is a living soul with mind, body who breathes air & requires food for survival whereas computer is a machine that needs electricity & operating system to work

Name-Diya
RollNo. 21039

ROLE OF COMPUTER IN OUR LIFE

Use of Computer in our life is incredibly necessary. Computer Science is evaluated and challenged by human everyday. From Engineers to Doctors, students to Teachers, entrepreneurs to investor, government organization they all use it to perform specific tasks, for entertainment, Online earning and office work. Computer has brought about a great change in our life. There is hardly any field of rapid development. Computers not only work for us, they also think for us. It is difficult to imagine what role computer will play in our future life. They can already do the most impossible and most unimaginable things. The only thing left for them to do is to computerize human beings also. We can imagine a time when microchips will be inserted in the human brain and all thinking will be then done by these chip inserted on the mind. From a simple calculator to a complicated square craft computers have become an inseparable part. The field of computers is a field of rapid development.

will become possible to give commands to all kinds of workers through remote control devices. In fact, the mind boggles to think what computers could be able to do in the future. Perhaps they will be able to take overall the functions of man and reduce that world to a world of robots only. The computer is a very vast field in every sector and every aspect of life. Computer changed our life in these two decades and now it is a necessity to use a computer in daily life to there in the technologies world.

Name -Tarun Kattna
Roll no: - 21006

INTRODUCTION TO THE COMPUTER APPLICATIONS

Applied Science and technology of existing undergoing uprising change due to growth and development of applied science and technologies or computer science, which are allowing existing researchers, engineers and practitioner to develop. The expeditious growth of computer based system, such as, simulation models or MATLAB, database and many more is proof of impact of computer and applied sciences existence. A large advance in existing. Technology and applied science has already results of the growth, application and associations of simulation models, database and many more. In today world we use computer for all our tasks our day to day activities. Paying bill, buying groceries, using social media, seeking entertainment, working from home, communicating with a friend etc, can all be done using a computer. So it is important not only to know how to use a computer, but also to understand the components of a computer and what they do. The idea of computer literacy is also discussed, which includes the definition and functions of a computer you learn about the components of a computer the concept of hardware and software representation of data information, the concept of data processing and application of IECT.

Name- Rahul Manhas
Roll no -
21019

VIRUS ALERT

I Love You

Romantic as its sounds, the I Love You virus is not the kind of a gift you'd want to receive on Valentines Day. The Virus used emails as a transmission channel, disguising itself as a love letter from one of its victim's contacts. The malware was hidden in the attachment called "LOVE LETTER FOR YOUR TXT. Vbs" Clicking on it activated as visual basic script (a programming language which allows programmers to

modify code) and the worm started overwriting random files on the user's PC. The worm also sent copies of itself to all contacts in the user's address book. This virus infected over ten million windows Pcs.

The Takeaway:

be careful when opening strange attachments in a Love letter, even if it comes from your love interest.

Name - Dipika
Roll no- 21021

ROLE OF COMMUNICATION

The exchange of information or Passing information from one person to another. The purpose of communication understands of information whatever one wants to say to someone should be clearly understood by him else the very purpose of the communication would be defeated. In any organization communication and understand between different people and departments through different media using all the channels of network. This flow of information is vital for managerial effectiveness and decision making in general and for human resource manage of various department, employees and workers and trade union leaders.

Purpose of Communication: -Managements getting the things done through others. The people working in the organization should therefore be informed to them in the best possible manner. The purpose of the communication can be summed up into the following.

The relevant information must flow continuously from top to bottom and vice Versa. The staff at all level must be kept informed about the organizational objectives.

Name- Sourav Kumar
Roll no-21014

CHARLES BABBAGE

Charles Babbage born on 26 December1791- died on 18 October 1871 was an English Polymath. A mathematician, Philosopher, inventor and Mechanical Engineer, Babbage originated the concept of a digital programmable computer.

Babbage's machines were among the first mechanical computers. That they were not actually completed largely because of funding problems and clashes of personality, most notably with George Biddell Airy, the Astronomer Royal.

Babbage directed the building of some steam- powered machines that achieved some modest success, suggestion that calculations could be mechanised.

For more ten years he received government funding for his project, which amounted to Rs. 17,000 but eventually the treasury lost confidence in him.

While Babbage's machines were mechanical and UNWIDELY, their basic architecture was similar to modern computer, the data and program memory were separated, operation was instruction based the control unit could make conditional jumps, and the machine and a separate 110 units.

Name: Ankita
Roll no: 22040

INTERNET NETWORKING AND CONNECTIVITY

- **DNS (Domain Name Server)** --This can help recognise an IP address used by domain name.
- **FTP (File Transport Protocol)** --Which moves a file between computer using the internet?
- **HTTP (Hyper Text Transfer Protocol)** --It is a set of instructions for the software that controls the movement of files on the internet.
- **IP (Internet Protocol)** --Which is the set of rules that govern the system connected to internet. IP address is a digital code specific to each computer that is hooked up to the internet.
- **ISP (Internet Service Provider)** --It is the Company which provides internet service. So, you can connect your computer to the internet.
- **LAN (Local Area Network)** --Which Consist of of the servers that your computer connects to in your local area.
- **PPP (Point to Point Protocol)** --It is the set of rules that allow your computer to use internet protocols using phone line and modem.
- **SEO (Search Engine Optimization)** --The purpose of SEO is to increase the quantity and quality of inbound traffic to your website)
- **URL (Uniform Resource Locator)** --Which is a path to a certain file on the world wide web. It is what you may called the web address.
- **USB (Universal Serial Bus)** --Which is used for communications between certain devices. It can connect keyboards, Camera, Printers, mice, flash drives and other devices.

- **VR (Virtual Reality)** --It stimulates a three-dimensional scene on the computers and has the capability of interaction. This is widely used in gaming.
- **VRML (Virtual Reality and Markup Language)** --It allows the display of 3D images.
- **WYSIWYG (What you see is what you get)** --it's basically means that the printer will print what you see on your monitor.

Some of acronyms used in the computer fields and daily life.

- **BASIC**-Beginner's All-purpose Symbolic Instruction Code
- **CD**-Compact Disc
- **CGI**-Common Gate way interface
- **COBOL**-Common Business Oriented Language.

Name - Madan
Roll no-22045

ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Artificial Intelligence is a new technology in the field of computer science. "Artificial" means man-made that is not natural and "Intelligence" refers to the ability to think and make decisions. The concept of A.I. was introduced back in 1950. Alan Turing, a mathematician and computer scientist designed a machine named as "Turing Machine". This machine can test whether the computers can make decisions or not. John McCarthy, a computer scientist has introduced the word "Artificial Intelligence" in the world of computer science.

Name-Virender
Roll no. 21015

OUR ACHIEVERS



Salman Mohmand
(Gold Medal in Men
Weightlifting in 2022)



Rajani Bala
(Gold Medal in Women
Weightlifting in 2022)



Declamation (National Level Event) 14-11-2022



Second Position in Inter College Quiz Competition-2023
(Sanjeev Kumar, Shivang and Anuradha)



Second Position in Play -Technobizz Fest Hamirpur



**Rizwal -Played South Asian International Cestoball
Championship**

Athletics (20-12-2022 to 23-12-2022)
Kaneejo Begum Represented Himachal Pradesh at KIIT,Bhubneshwar (North Zone)



Third Position in Inter-College Youth festival
(Group-III Dance)





Thank you

gcbhoranj-hp@nic.in